www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 147 || लखनऊ
गुरूवार
27 अगस्त 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:43
सूर्यास्तः 06:31
अधिकतमः 29°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 07

विशेष समाचार
मिठास का कड़वा गणित ... >>पेज 04
आगरा पहुंची 30 देशों की... >>पेज 06
कृति सेनन का राखी वाला विज्ञापन ...

सुबह 9 बजे नेपाल में आया● सैलाब सुबह 8:37 बजे तिब्बत में 4.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज हुआ था।

55 मौतें ■ 500 लापता ■ 19 पुल तबाह ■ फिर बाढ़ का खतरा ■ भारत में भी बढ़ी चिंता

नेपाल में कुदरत का कहर

आपदा

तमसा संकेत, एजेंसी

काठमांडू। नेपाल-तिब्बत बॉर्डर पर बुधवार सुबह अचानक आई बाढ़ ने नेपाल के रसुवा जिले में भारी तबाही मचा दी। सुबह 9 बजे तिब्बत की दिशा से भोटेकोशी नदी में अचानक पानी का तेज बहाव आया जिसमें कई इलाके चपेट में आ गए। नेपाली मीडिया के मुताबिक, अब तक 55 लोगों की मौत की खबर है। नेपाल के पर्यटन विभाग के मुताबिक 500 से ज्यादा लोगों का पता नहीं चल रहा है। इनमें 105 भारतीय समेत 291 विदेशी पर्यटक हैं। इधर, यूपी के बहराइच में नेपाल की ओर से तेज बहाव में बहकर 5 जंगली हाथी घाघरा बैराज पहुंच गए।

>> (शेष पेज 06 पर)

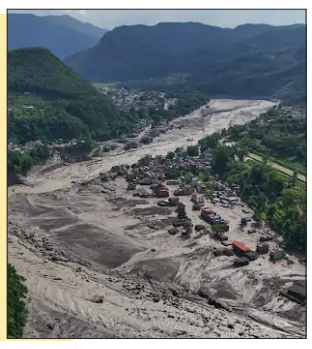

बाढ़ में 500 लोग लापता, इनमें 37 आईएनआर भी शामिल

नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बाद करीब 500 यात्री लापता बताए जा रहे हैं। इनमें 37 प्रवासी भारतीय (NRI) और 105 भारतीय नागरिक शामिल हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड ने यह जानकारी दी है। रासुवा में सबसे ज्यादा तबाही हुई है। यह जिला काठमांडू से करीब 125 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में चीन के तिब्बत क्षेत्र की सीमा के पास स्थित है। बाढ़ ने रसुवा से नुवाकोट और धादिंग तक नदी किनारे के कई इलाकों को प्रभावित किया। करीब 40-42 किलोमीटर सड़क और कम से कम 19 पुलों को नुकसान पहुंचा है। करीब दर्जनभर बस्तियां भी प्रभावित हुई हैं। रसुवा जिले की आबादी करीब 50 हजार है।

> तिब्बत में आई बाढ़ के बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। बाढ़ में कई लोगों की मौत हुई है। लापता लोगों की तलाश जारी है। बचाव अभियान के लिए 145 पुलिसकर्मियों और जवानों को प्रभावित इलाके में भेजा गया है।

सैटेलाइट तस्वीर में दिखा तबाही का मंजर

सैटेलाइट तस्वीर में नेपाल की एक घाटी में पहाड़ों से नीचे की ओर आए मलबे, चट्टानों और बर्फ के तेज बहाव के निशान दिखाई दे रहे हैं। रसुवा में आई भीषण बाढ़ में नौ बैंकों की शाखाएं बह गईं।

नेपाल में भीषण बाढ़ से यूपी बहकर आए 5 हाथी

बहराइच में नेपाल की ओर से तेज बहाव में बहकर 5 जंगली हाथी घाघरा बैराज पहुंच गए। झुंड में 3 बच्चे भी हैं। बाढ़ की चपेट में सुरक्षा बल भी आए हैं। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल के मुताबिक, अलग-अलग जगहों पर 80 सुरक्षाकर्मी लापता हैं। इनमें 44 नेपाली सेना के जवान शामिल हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के लिए नेपाल का रसुवागढ़ी मार्ग अहम रास्ता है। बाढ़ के कारण नेपाल-चीन सीमा की ओर जाने वाली सड़क को भारी नुकसान पहुंचा है। कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित हैं। हिंदू धर्म में कैलाश पर्वत को भगवान शिव का निवास माना जाता है। यह बौद्ध, जैन और बोन परंपरा के अनुयायियों के लिए भी पवित्र स्थल है।

नेपाल में तबाही की 2 संभावित वजह

- ल्हेंदे नदी में बर्फ का एवलॉन्चः इससे नदी का बहाव रुका, पानी जमा हुआ और अवरोध टूटने पर तेज पानी भोटेकोशी में पहुंचा, जिससे अचानक बाढ़ आई।
- तिब्बत में भूकंपः सुबह 8:37 बजे 4.4 तीव्रता का भूकंप आया था। बाढ़ भी इसी समय के आसपास आई, इसलिए इसके संबंध की जांच हो रही है। पिछले 24 घंटे में रसुवा में 7 मिमी से ज्यादा बारिश नहीं हुई। इतनी बारिश से भोटेकोशी में इतना तेज सैलाब आना संभव नहीं माना जा रहा।

बाढ़ में तमिलनाडु के करीब 50 तीर्थयात्री फंसे

नेपाल में आई भीषण फ्लैश फ्लड के बीच तमिलनाडु के करीब 50 तीर्थयात्री फंस गए हैं। अलर्ट मिलने के बाद तमिलनाडु सरकार ने उनके बचाव के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये तीर्थयात्री तीन वाहनों में सवार होकर जा रहे थे। इनमें से एक वाहन में सवार लोगों ने टिमुरे स्थित सशस्त्र पुलिस बल की चौकी में शरण ली है। टिमुरे काठमांडू से करीब 150 किलोमीटर उत्तर में स्थित है।

कैलाश मानसरोवर यात्रियों की तलाश तेज

भारत से बड़ी संख्या में श्रद्धालु हर साल कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल के रास्ते तिब्बत की ओर जाते हैं। इस बार बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में यात्रियों के संपर्क से बाहर होने के बाद उनके परिवारों की चिंता बढ़ गई है। नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुताबिक, लापता 291 विदेशी नागरिक लापता हैं। इनमें 142 भारतीय, 17 मलेशियाई, 12 ब्रिटिश, 4 दक्षिण अफ्रीकी, 8 दक्षिण कोरियाई, 1 अमेरिकी, 1 ऑस्ट्रेलियाई और 1 डच नागरिक शामिल हैं।

फास्ट न्यूज

यूपी में हरियाणवी सिंगर और यूट्यूबर की हत्या

शामली। यूपी के शामली में बुधवार शाम यूट्यूबर और हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की जिम के बाहर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने उन पर 18 राउंड फायरिंग की। एक गोली सिर पर लगी। पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

भारत ने वाहक-6 मल्टी-ड्रोन मदरशिप सिस्टम तैयार किया

नई दिल्ली। भारत की रक्षा क्षमता मजबूत करने के लिए स्वदेशी 'वाहक-6' मल्टी-ड्रोन मदरशिप प्रणाली विकसित की गई है। निजी कंपनी एंड्योरएयर ने सरकारी रक्षा कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सहयोग से इसे तैयार किया है। यह ड्रोन निगरानी, लक्ष्य की पहचान और दुश्मन के ठिकानों को तबाह करने में सक्षम है। यह बिना जीपीएस के भी हमला कर सकता है। सर्च, डिटेक्ट से लेकर डिस्ट्रॉय तक यह सेना की मदद करेगा। इस सिस्टम में हवा में एक साथ कई ड्रोन तैनात किए जा सकते हैं। अलख-एस ड्रोन लक्ष्य की खोज और निगरानी करता है।

महाकाल मंदिर में कांवड़िए दानपेटियों पर चढ़े

उज्जैन। उज्जैन के महाकाल मंदिर में बुधवार को ओंकारेश्वर से आए कांवड़ियों ने हंगामा कर दिया। नंदी हॉल में प्रवेश की मांग कर रहे कांवड़ियों ने बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर जाने की कोशिश की। रोकने के दौरान मंदिर के 4 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। इनमें से 2 को पैर और सिर में गंभीर चोटें आईं। जानकारी के मुताबिक, ओंकारेश्वर के खेड़ीघाट से करीब 100 दर्शनार्थी कांवड़ लेकर पहुंचे थे।

जेन अल्फा और जेन-जी तक पहुंच बनाएगा चुनाव आयोग

2029 लोकसभा चुनाव से पहले स्कूल-कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में युवाओं को जोड़ेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले जेन अल्फा और जेन-जी (Gen-Z) तक पहुंचने की कोशिशें फिर शुरू की हैं। आयोग का मकसद उन्हें जागरूक वोटर बनाना है, जो चुनावी प्रक्रिया से अच्छी तरह परिचित हों और भविष्य में लोगों को जागरूक करने वाले अभियानों की अगुआई कर सकें। आयोग के नए अभियान में देश की 4,123 विधानसभा सीटों के स्कूलों, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को जोड़ा जाएगा। इसमें कक्षा 9 से 12 तक के स्कूली बच्चों के साथ कॉलेज और यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स शामिल होंगे। आयोग 50 हजार चुनावी साक्षरता क्लब (ईएलसी) बनाने की योजना पर काम कर रहा है। हर विधानसभा सीट में ऐसे 10 क्लब बनाए जाएंगे। इसके लिए आयोग 15 लाख स्कूलों में कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों से संपर्क करेगा। इसके अलावा 70 हजार कॉलेजों और 1,400 यूनिवर्सिटी तक भी पहुंच बनाई जाएगी। चुनावी साक्षरता क्लब 2018 में सिस्टमेटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन (एसवी-ईईपी) कार्यक्रम के तहत शुरू किए गए थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

उत्तर प्रदेश में अब तक 17.67 लाख इलेक्ट्रिक वाहन हुए पंजीकृत, इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल से पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता हुई कम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पब्लिक ईवी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर में यूपी देश में तीसरे स्थान पर

विस्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते इस्तेमाल के साथ पब्लिक ईवी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का भी लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि पब्लिक ईवी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के मामले में उत्तर प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता भी लगातार बढ़ रही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

> उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती संख्या प्रदेश में स्वच्छ और हरित परिवहन व्यवस्था के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश सरकार की नीतियों और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के प्रयासों से इलेक्ट्रिक वाहन बाजार को भी मजबूती मिल रही है।

ग्रीन मोबिलिटी की दिशा में बढ़ता यूपी

उत्तर प्रदेश का पब्लिक ईवी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर में देश में तीसरे स्थान पर पहुंचना और प्रदेश में 17.67 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में राज्य की बढ़ती क्षमता को दर्शाता है। यह बदलाव न केवल परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाने में सहायक है, बल्कि स्वच्छ, टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल भविष्य की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले समय में चार्जिंग सुविधाओं के और विस्तार तथा इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती स्वीकार्यता से प्रदेश में ग्रीन मोबिलिटी का दायरा और व्यापक होने की उम्मीद है।

चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का लगातार हो रहा विस्तार

यूपी नेडा के डायरेक्टर रविन्दर सिंह ने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए मजबूत चार्जिंग नेटवर्क बेहद जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में पब्लिक ईवी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को लगातार मजबूत किया जा रहा है। चार्जिंग स्टेशनों की उपलब्धता बढ़ने से इलेक्ट्रिक वाहन चालकों को लंबी दूरी की यात्रा के दौरान चार्जिंग की सुविधा मिल रही है और ईवी अपनाने को लेकर लोगों का भरोसा बढ़ रहा है। राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों तथा महत्वपूर्ण परिवहन मार्गों पर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जवाब : 7 दिन में जवाब मांगा, सुप्रीम कोर्ट ने भी कल नोटिस जारी किया था

लोकसभा सचिवालय ने 20 बागी टीएमसी सांसदों को नोटिस भेजे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा सचिवालय ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों को नोटिस भेजे हैं। सांसदों से TMC नेता अभिषेक बनर्जी की अयोग्यता याचिका पर 7 दिन में जवाब मांगा गया है। यह याचिका दल-बदल कानून के तहत दाखिल की गई है। नोटिस 25 अगस्त को जारी किए गए और इनमें बनर्जी की 18 जून की याचिका की कॉपी भी भेजी गई है। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के बनर्जी की याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार होने के एक दिन बाद हुई है। कोर्ट ने मंगलवार को 20 बागी सांसदों को नोटिस जारी किया था, लेकिन लोकसभा स्पीकर के कार्यालय और सदन के महासचिव को नोटिस जारी नहीं किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

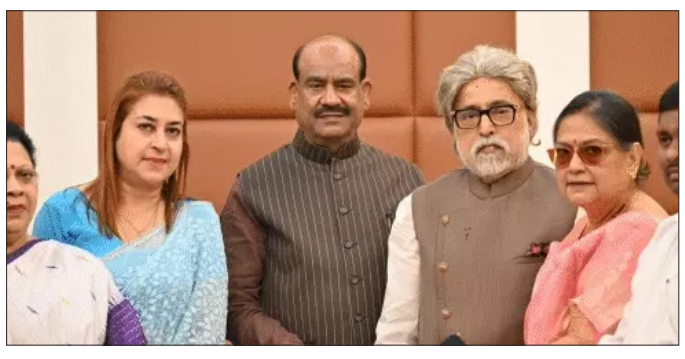

याचिका में इन 20 सांसदों के नाम

अभिषेक बनर्जी ने पहले 20 सांसदों के खिलाफ अलग-अलग अयोग्यता याचिकाएं दाखिल की थीं। इसके बाद उन्होंने कार्यवाही जल्द पूरी करने की मांग की थी। बनर्जी की याचिका में शामिल सांसदों के नाम हैं- काकोली घोष दस्तीदार, सुदीप बंद्योपाध्याय, शताब्दी रॉय, प्रसून बनर्जी, रचना बनर्जी, जगदीश चंद्र बरमा बासुनिया, पार्थ भौमिक, अरूप चक्रवर्ती, अधिकारी दीपक देव, सयानी घोष, बापी हलदर, एमडी अबू ताहेर खान, कालीपद सारेन खेरवाल, असीत कुमार मल, जून मलियाह, मिताली बैग, खलीलुर रहमान, माला रॉय, शर्मिला सरकार और यूसुफ पठान।

दोनों गुट की 2 मांगें, 4 बड़ी बातें

1. TMC के बागी सांसदों ने स्पीकर से संसद में अलग बैठने की जगह देने की मांग की।
2. शनलिस्ट सिटिजंस पार्टी NDA को समर्थन देगी। बागी गुट के पास दो-तिहाई सांसदों का समर्थन है।
3. असली TMC कौन है, इसका फैसला अदालत करेगी। बागी गुट TMC के चुनाव चिन्ह 'जुड़वा फूल' पर भी दावा करेगा।
4. ममता बनर्जी गुट ने स्पीकर को पत्र देकर अलग गुट को मान्यता न देने की मांग की।

तेलंगाना में बस और ट्रक की टक्कर, 6 की मौत

इनमें 5 महिलाएं, 12 घायल, ट्रक में रखे लोहे के पिलर बस में घुसे

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

सूर्यापेट। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में बुधवार सुबह एक इलेक्ट्रिक बस ने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 5 महिलाएं हैं। वहीं 12 लोग घायल हैं। बस में 43 यात्री सवार थे और यह हैदराबाद से आंध्रप्रदेश के एलुरु जा रही थी। हादसा सुबह करीब 5:15 बजे हैदराबाद-विजयवाड़ा नेशनल हाईवे पर कोडाड मंडल में हुआ। पुलिस ने बताया कि ट्रक में लोहे के भारी पिलर लदे थे। बस के ट्रक से टकराते ही पिलर को बांधकर रखने वाली चेन टूट गई। इसके बाद पिलर बस की दाईं तरफ जा घुसे। पुलिस के मुताबिक, बस के आगे बैठे लोगों की इसी वजह से मौत हुई। हादसे की वजह तेज रफ्तार होने की आशंका जताई है।

- इलेक्ट्रिक बस ने ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी।
- टक्कर के बाद ट्रक में रखे पिलर गिर गए और बस में घुस गए।

चूल्हे से चेक, चेक से कारोबार और कारोबार से टेक्नोलॉजी तक पहुंच रहीं महिलाएं : मुख्यमंत्री

'2017 के पहले सपना देखने से भी डरती थी बेटी'

सौगात

हेमन्त कृष्ण

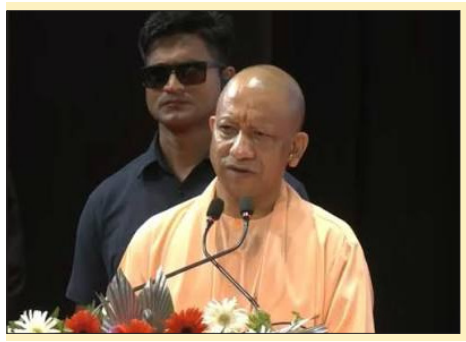

मुख्यमंत्री ने 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का किया शुभारंभ, 60 वर्ष व उससे अधिक आयु की प्रदेश की महिलाएं परिवहन निगम की बसों में कर सकेंगी निःशुल्क यात्रा

तमास संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन से ठीक पहले नारी शक्ति को कई सौगातें दीं। उन्होंने घोषणा की कि स्नातक में पढ़ने वाली 50 हजार बेटियों को अक्टूबर-नवंबर में स्कूटी दी जाएंगी। सीएम ने 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का शुभारंभ किया, जिसके तहत उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में 60 वर्ष व उससे अधिक आयु की प्रदेश की महिलाएं निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी। सीएम ने रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में 27 से 29 अगस्त तक महिला व एक सहकर्मी को निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा दिए जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाएं अब चूल्हे से चेक, चेक से कारोबार और कारोबार से टेक्नोलॉजी तक पहुंच रही हैं।

सीएम ने कहा कि 2017 के पहले 'देख सपाई-बिटिया घबराई' का नारा तत्कालीन गवर्नेंस मॉडल का नाम था, जब हर बेटी की सुरक्षा पर संकट था। सुरक्षा, सम्मान नहीं था तो स्वावलंबन कहां से होता। इंटीग्रेटेड हेल्पलाइन, कमांड सिस्टम, सीसीटीवी नेटवर्क, महिला बीट सिस्टम, महिला हेल्पडेस्क भी नहीं थी। पेंशन व छात्रवृत्ति बिचौलिए तय करते थे। पुष्टाहार पर माफिया का कंट्रोल था।

यूपी में साढ़े 12 करोड़ आधी आबादी

इंदिरा प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में लगभग साढ़े 12 करोड़ आधी आबादी है। सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन व नेतृत्व की यात्रा में सहभागी है। हर बेटी-बहन-माता आत्मनिर्भर महसूस करे, यही हमारी नीति है। डबल इंजन सरकार ने बेटी के जन्म से लेकर उसकी पढ़ाई, सुरक्षा, रोजगार, आय और उसके सपनों की उड़ान को ईकोसिस्टम से जोड़ने का काम किया है। सीएम ने बहनों से अपील की कि रक्षाबंधन पर अपने भाई के साथ ही सैनिकों, पूर्व सैनिकों व पुलिस के जवानों को रक्षासूत्र बांधकर सुरक्षा के ईकोसिस्टम को मजबूती प्रदान करने में योगदान दें।

- 2017 से पहले यूपी की हर योजना पर मंडराती थी कमीशनखोरी की 'काली छाया'- मुख्यमंत्री
- हम 50 फीसदी तक पहुंचाएंगे वीमेन पार्टिसिपेशनः सीएम

महिला स्वावलंबन की मिसाल हैं 'लोकमाता'

सीएम ने कहा कि देश जब मुगल आक्रांताओं की चपेट में था, उस समय लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने सुशासन, आध्यात्मिक/सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण व महिला स्वावलंबन का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया था। काशी विश्वनाथ, सोमनाथ समेत देश में सैकड़ों मंदिर का पुनरुद्धार लोकमाता ने किया था। लखनऊ, कानपुर, आगरा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, झांसी सभी जनपदों में अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है। प्रत्येक हॉस्टल में 500 कामकाजी महिलाओं के निःशुल्क रहने की व्यवस्था रहेगी।

सरकार ने आधी आबादी का प्रतिनिधित्व बढ़ाया

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी जी के कारण पहली बार आधी आबादी को शासन की योजनाओं से जोड़ने के लिए व्यापक कार्ययोजना बनी। जीवन के हर पड़ाव पर सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन की गारंटी दी है। सरकार का हर निर्णय, योजना व बजट इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समर्पित है। आधी आबादी को पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिले, सरकार ने इसे सुनिश्चित किया।

केसीसी लोन में रिश्वत मांगना अफसर को पड़ा भारी

दो बैंक अधिकारियों समेत 3 दोषी, 4 से 5 साल की सजा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) लोन से जुड़े रिश्वत के दो मामलों में लखनऊ की CBI अदालत ने दो बैंक अधिकारियों समेत तीन आरोपियों को दोषी ठहराया है। दोनों प्रकरणों में CBI ने ट्रैप कार्रवाई कर आरोपियों को रिश्वत लेते पकड़ा था। अदालत ने 25 अगस्त 2026 को फैसला सुनाते हुए आरोपियों को चार से पांच साल की कठोर कारावास की सजा और जुर्माना लगाया।

पहला मामला सुल्तानपुर के हरिहरपुर स्थित बड़ौदा यूपी ग्रामीण बैंक की शाखा का है। तत्कालीन ब्रांच मैनेजर राकेश चंद्र ठाकुर पर 4.25 लाख रुपए के KCC लोन की पहली किस्त जारी करने के बदले किसान से 6 हजार रुपए मांगने का आरोप था।

शिकायत के आधार पर CBI ने 12 मार्च 2018 को केस दर्ज किया। ट्रैप के दौरान ठाकुर को 6 हजार रुपए लेते पकड़ा गया। जांच के बाद 10 मई 2018 को चार्जशीट दाखिल हुई। 21 दिसंबर 2020 को आरोप तय किए गए। सुनवाई पूरी होने पर स्पेशल जज, एंटी करप्शन, CBI कोर्ट नंबर-6, लखनऊ ने उन्हें 5 साल की कठोर कारावास और 25 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

दूसरा मामला महाराजगंज के परतावल बाजार स्थित पूर्वांचल बैंक की शाखा का है। तत्कालीन असिस्टेंट मैनेजर रवि कुमार गुप्ता पर KCC लोन की प्रक्रिया पूरी कराने के बदले 15 हजार रुपए मांगने का आरोप था।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में बंद मकान से 34.49 लाख के जेवर चोरी

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार में चोरों ने बंद मकान को निशाना बनाकर करीब 34.49 लाख रुपए के सोने के जेवर चोरी कर लिए। मकान मालकिन पिछले तीन महीने से अपने बेटे के पास बेंगलुरु में रह रही थीं। मंगलवार सुबह उन्हें फोन पर घर में चोरी की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने अपने भतीजे अर्पित शुक्ला को मकान पर भेजा।

भारतीय युवा जनशक्ति में नियुक्ति

लखनऊ। भारतीय युवा जनशक्ति संगठन ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अपने संगठन का विस्तार किया है। संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा मोनी सिंह ने चेतना शुक्ला को राष्ट्रीय प्रवक्ता, सुमन त्रिवेदी को प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ (यूपी) और प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा (बिहार) के पद पर नियुक्त किया है। इस विस्तार कार्य में युवाओं को जोड़कर संगठन को अधिक मजबूत बनाने का प्रयास किया जा रहा है। लखनऊ में हुई बैठक में मोनी सिंह ने बताया कि संगठन आगामी 2027 के चुनाव की तैयारी कर रहा है और पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को मैदान में उतारने का संकल्प लिया गया है।

चीनी के बढ़ते दामों पर सपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

लखनऊ। बढ़ती महंगाई और चीनी के लगातार बढ़ रहे दामों के विरोध में समाजवादी पार्टी के युवजन सभा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को हजरतगंज चौराहे पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए महंगाई पर रोक लगाने और चीनी के बढ़े दामों को कम करने की मांग की। रोजमर्रा की जरूरत की चीजों के दाम बढ़ने से लोगों का घरेलू बजट बिगड़ रहा है।

3 बदमाशों पर गैंगस्टर एक्ट की हुई कार्रवाई

2 साढ़ू गैंग बनाकर मांगते थे रंगदारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ की इंदिरानगर पुलिस ने आपराधिक गतिविधियों से जुड़े राज जायसवाल समेत 3 बदमाशों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की है। इंस्पेक्टर अजय नारायण सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

इंस्पेक्टर के अनुसार, आरोपियों का संगठित गिरोह है, जो आर्थिक और भौतिक लाभ के लिए लोगों को धमकाने, रंगदारी वसूलने और मारपीट समेत अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। इस गैंग के कारण इलाके में भय का माहौल बना और लोग इनके खिलाफ गवाही देने से भी डरते हैं।

गैंग का सरगना राज जायसवाल (37) है। वह मूलरूप से बहराइच के मोतीपुर क्षेत्र का रहने वाला है। मौजूदा समय में इंदिरानगर के जरहरा शीतल नगर फेज-2 और तकरोही स्थित आदर्श कॉलोनी में रहता था। खुद को पत्रकार बताता था। गिरोह में जरहरा रसूलपुर सादात, इंदिरानगर निवासी राजा उर्फ अनुराग (26) और सिधौली, सीतापुर निवासी मनीष जायसवाल (42) शामिल हैं। मनीष रिश्ते में राज का साढ़ू लगता है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, राज जायसवाल और उसके गिरोह के सदस्यों के खिलाफ इंदिरानगर थाने में साल 2018 से लगातार मुकदमे दर्ज हैं।

आंधी-बारिश में भी रोशन उत्तर प्रदेश

आंधी-बारिश के बीच यूपीपीसीएल की टीमें युद्धस्तर पर कर रहीं फॉल्ट दूर

- फॉल्ट पर तत्काल एक्शन, दिन-रात मोर्चे पर डटे बिजलीकर्मी
- स्थानीय फॉल्ट कम से कम समय में ठीक करने के अधिकारियों को निर्देश
- त्योहारों के मद्देनजर बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने पर विशेष फोकस

तमसा संकेत, संवाददाता

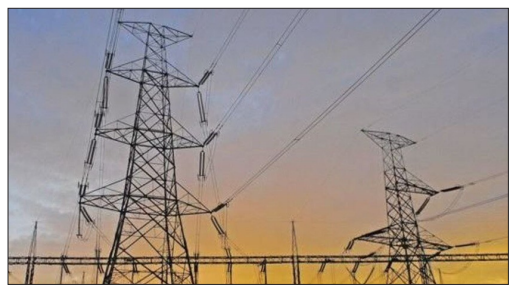

> बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए विभागीय कर्मचारी केवल दिन में ही नहीं, बल्कि रात्रिकालीन ड्यूटी के दौरान भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ मेंटेनेंस कार्यों में जुटे हैं। रात के समय नियमित रखरखाव और जरूरी तकनीकी कार्यों के जरिए बिजली नेटवर्क को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आंधी और बारिश के बीच बिजली आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए योगी सरकार पूरी सक्रियता के साथ जुटी है। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मौसम खराब होने से कहीं-कहीं बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई, लेकिन विभागीय टीमें तत्काल मौके पर पहुंचकर फॉल्ट दूर करने और आपूर्ति बहाल करने में जुटी हैं। बिजलीकर्मी दिन-रात फील्ड में रहकर हर चुनौती का सामना कर रहे हैं। यही वजह है कि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद प्रदेश में बिजली व्यवस्था को सामान्य बनाए रखने की लगातार कोशिश की जा रही है।

आंधी और तेज बारिश के कारण बिजली के तार टूटने, पोल प्रभावित होने या अन्य तकनीकी फॉल्ट आने पर बिजली विभाग की टीमें युद्धस्तर पर काम कर रही हैं। विभाग की ओर से उपभोक्ताओं से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा गया है कि जहां भी आपूर्ति प्रभावित हुई है, वहां टीमों को भेजकर जल्द से जल्द बिजली बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा विभिन्न जनपदों के बिजली उपकेंद्रों का निरीक्षण कर कर्मचारियों को निर्बाध और सुरक्षित बिजली आपूर्ति के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जा रहे हैं।

सुविधा नंगे या गीले पैर विद्युत उपकरणों से रहें दूरके साथ सुरक्षा भी

यूपीपीसीएल के वितरण निदेशक ज्ञानेंद्र धर द्विवेदी ने बारिश और नमी के दौरान लोगों से विद्युत सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नंगे या गीले पैर विद्युत उपकरणों और तंत्र से दूर रहें। बारिश के दौरान पार्कों या विद्युतीकृत क्षेत्रों में जमा पानी में न जाएं और लोहे की जालियों व बाउंड्री से दूरी बनाए रखें। घरों में भी कूलर, फ्रिज, स्विच बोर्ड समेत अन्य उपकरणों को जूते-चप्पल पहने बिना न छुएं।

योगी सरकार का फोकस, सुविधा के साथ सुरक्षा भी

योगी सरकार में ऊर्जा व्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ उपभोक्ताओं की सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी जा रही है। बिजली विभाग की टीमें क्षेत्र में नियमित निरीक्षण और मेंटेनेंस कर संभावित खतरों को दूर करने में लगी हैं। यूपीपीसीएल ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि अगर कहीं बिजली का तार टूटा हुआ दिखाई दे या करंट लीकेज की आशंका हो तो उसके पास जाने अथवा उसे छूने का प्रयास न करें। ऐसी स्थिति में तत्काल नजदीकी बिजली कार्यालय या टोल फ्री नंबर 1912 पर सूचना दें।

सीएम योगी करेंगे स्टार्टअप इकोसिस्टम इवेंट को संबोधित, 7 स्टार्टअप्स का होगा सम्मान

लोक भवन में जुटेंगे यूपी के स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े प्रमुख हितधारक

तमसा संकेत, संवाददाता

स्टार्टअप नीति-2026 का होगा विमोचन, यूपी स्टार्टअप मिशन वेबसाइट भी होगी लॉन्च

यू-हब पर भी होगा प्रस्तुतीकरण, लखनऊ-नोएडा में बनेंगे डीप-टेक हब

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को लोक भवन में उत्तर प्रदेश स्टार्टअप इकोसिस्टम इवेंट 2026 आयोजित किया जाएगा। योगी सरकार की ओर से प्रदेश में नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने, स्टार्टअप इकोसिस्टम को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में स्टार्टअप्स, इनक्यूबेटर्स और इकोसिस्टम से जुड़े विभिन्न हितधारक शामिल होंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य संबोधन देंगे।

कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 पुस्तिका का विमोचन और यूपी स्टार्टअप मिशन वेबसाइट का शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही यूपी स्टार्टअप मिशन और यू-हब पर वीडियो प्रस्तुति भी होगी। भारत इनोवेट्स में चयनित उत्तर प्रदेश के सात स्टार्टअप्स को सम्मानित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 के साथ नए प्रोत्साहनों और संस्थागत व्यवस्था का विस्तार किया है।

नई नीति में कई तरह के लाभ

नई नीति के तहत स्टार्टअप्स को 20 हजार रुपये प्रतिमाह निर्वाह भत्ता, 10 लाख रुपये तक प्रोटोटाइप अनुदान और 15 लाख रुपये तक सीड अनुदान मिलेगा। निवेश के अनुरूप 5 करोड़ रुपये तक समतुल्य अनुदान और 2 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 4 प्रतिशत ब्याज सहायता का भी प्रावधान है। डीप-टेक स्टार्टअप्स के लिए 40 करोड़ रुपये तक दीर्घकालिक पूंजी की व्यवस्था की गई है। लखनऊ और नोएडा में डीप-टेक यू-हब स्थापित किए जाएंगे।

9 इनक्यूबेटर्स को दी जाएगी प्रोत्साहन राशि

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश नीति के तहत 107 स्टार्टअप्स को विभिन्न प्रोत्साहनों का वितरण किया जाएगा। इसके अलावा नौ इनक्यूबेटर्स को प्रोत्साहन राशि दी जाएगी और 12 नए इनक्यूबेटर्स को मान्यता प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम की शुरुआत आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार का स्वागत उद्बोधन और विभागीय मंत्री सुनील कुमार शर्मा का विशेष संबोधन होगा। मुख्यमंत्री योगी का मुख्य संबोधन भी प्रस्तावित है। कार्यक्रम में प्रदेश के स्टार्टअप इकोसिस्टम के मान्यता प्राप्त इनक्यूबेटर्स, विभिन्न समितियों के सदस्य, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रतिनिधि और सिडबी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे।

भगवती सिंह की 94वीं जयंती पर अखिलेश यादव ने किया नमन

समाजवादी पार्टी मुख्यालय में सादगी से मनाई गई जयंती

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं पूर्व मंत्री श्री भगवती सिंह की 94वीं जयंती बुधवार को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में सादगी के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने श्री भगवती सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अखिलेश यादव ने भगवती सिंह के संघर्षपूर्ण राजनीतिक जीवन को याद करते हुए कहा कि वह जीवनभर समाजवादी विचारधारा से जुड़े रहे। डॉ. राममनोहर लोहिया के आह्वान पर उन्होंने कई आंदोलनों में सक्रिय भागीदारी की और इसके लिए जेल की यातनाएं भी सहीं। अखिलेश यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के संकल्प के साथ समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर वरिष्ठ समाजवादी नेताओं के सम्मान में कार्य किए जाएंगे।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कवि एवं पूर्व सांसद उदय प्रताप सिंह, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, अरविन्द सिंह गोप, पूर्व सांसद अरविन्द कुमार सिंह, पूर्व विधायक महेन्द्र कुमार सिंह झीन बाबू, गोमती यादव, राजेन्द्र यादव, पूर्व एमएलसी शशांक यादव, जिलाध्यक्ष जयसिंह जयंत और डॉ. फिदा हुसेन अंसारी समेत कई नेताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के संचालक देवी बख्श सिंह एडवोकेट सहित विजय बहादुर यादव, सीएल वर्मा, लवकुश सिंह, ऊषा सेन, आईपी सिंह, राम सिंह राणा, सहजराम यादव एडवोकेट, रिंकी सिंह, ओम नारायण त्रिपाठी, विदित, राजीव यादव और किशन समेत बड़ी संख्या में पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बढ़ावा : पीएम एफएमई योजना के तहत पिछले दो वर्षों में 16 हजार यूनिट स्थापित कर उत्तर प्रदेश देश में प्रथम

महिलाओं को कॉमन इन्क्यूबेशन सेंटरों से जोड़ा जाए : केशव प्रसाद

तमसा संकेत, संवाददाता

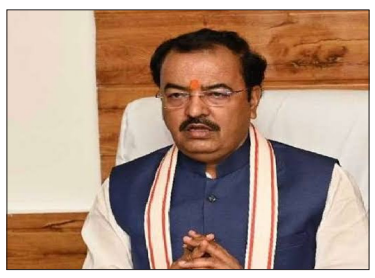

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश को 9,000 नई यूनिट स्थापित करने का लक्ष्य दिया गया है। लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति के लिए जनपदीय रिसोर्स पर्सन, जिला उद्यान अधिकारियों, प्रधानाचार्य/खाद्य प्रसंस्करण अधिकारियों तथा बैंकों के प्रतिनिधियों को अधिक से अधिक आवेदन कराने और ऋण स्वीकृति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएम एफएमई) योजना के माध्यम से महिलाओं की उद्यमिता और सहभागिता को और अधिक बढ़ाने पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित करने के साथ ही उन्हें आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए प्रदेश में स्थापित कॉमन इन्क्यूबेशन सेंटरों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन श्री बी.एल. मीणा ने बताया कि उप मुख्यमंत्री जी के निर्देशों के क्रम में प्रदेश में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएम एफएमई) योजना के क्रियान्वयन को और प्रभावी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा पीएम एफएमई योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश को अब तक कुल 31,335 यूनिट स्थापित करने का लक्ष्य दिया गया है। इसके सापेक्ष लगभग 27 हजार यूनिटों के लिए ऋण स्वीकृत हो चुका है। इन यूनिटों की औसत लागत लगभग 4 लाख रुपये है।

उन्होंने बताया कि पीएम एफएमई योजना के अंतर्गत पिछले दो वर्षों में प्रदेश में लगभग 16 हजार यूनिट स्थापित की गई हैं। इस उपलब्धि के साथ उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हाल में बैंकों की समीक्षा के दौरान पाया गया कि विभिन्न बैंकों के स्तर पर 7 हजार से अधिक आवेदन ऋण स्वीकृति के लिए लंबित हैं। इनमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, एचडीएफसी बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक तथा इंडियन बैंक में लंबित आवेदन शामिल हैं।

> मीणा ने बताया कि स्टार्टअप आधारित नवीन तकनीक के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने तथा प्रदेश की स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रदेश के 14 स्थानों—मेरठ, सहारनपुर, आगरा, बरेली, झांसी, लखनऊ, कौशांबी, गोरखपुर, अयोध्या, बस्ती, वाराणसी, मिर्जापुर, अलीगढ़ तथा कानपुर देहात में कॉमन इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों में दुग्ध, बेकरी, पेठा, नमकीन, मस्टर्ड ऑयल, मैंगो, हल्दी, आरटीई, तुलसी एवं अमरूद प्रसंस्करण सहित विभिन्न उत्पादों पर आधारित 46 प्रोसेसिंग लाइनों की स्थापना की गई है।

वकीलों के अवैध चैंबरों पर नगर निगम ने नोटिस चिपकाया

लखनऊ। लखनऊ के पुराने हाईकोर्ट परिसर में अवैध कब्जों और वकीलों के चैंबरों को हटाने की सेकेंड राउंड प्रक्रिया को लेकर नगर निगम की टीम ने मौके पर नोटिस चस्पा कर दिए हैं। अवैध निर्माण और चैंबरों पर पहले ही लाल निशान लगाए जा चुके हैं। नगर निगम ने कब्जाधारकों को 29 अगस्त तक खुद अतिक्रमण हटाने की मोहलत दी है। इसके बाद 30 अगस्त को नगर निगम का दस्ता मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करेगा। अभियान के दौरान अवैध चैंबर और अस्थायी निर्माण बुलडोजर से हटाए जाएंगे। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर निगम ने पुलिस बल की मांग की है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने लखनऊ पुलिस कमिश्नर को पत्र भेजकर पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। पिछले अभियान के दौरान हुए विरोध को देखते हुए इस बार प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

साइबर ठगों ने 5 लोगों से 36.95 लाख ठगे

लखनऊ में मोबाइल हैक कर अकाउंट से पैसे निकाले

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में साइबर जालसाजों अलग-अलग तरीकों से लोगों को निशाना बनाकर 36.95 लाख ठग लिए। कहीं जोमाटो की कस्टमर केयर तलाशने के दौरान ठगी हुई तो कहीं ग्रीन गैस अधिकारी बनकर खाते से लाखों रुपए निकाल लिए गए। किसी का मोबाइल हैक कर बैंक खाते से रकम उड़ाई गई। पुलिस ने अलग-अलग थानों में पांच मुकदमें दर्ज किए हैं।

हुसैनगंज के मुरलीनगर निवासी गुलशन मेहता ने पुलिस को बताया कि 9 अगस्त को वह जोमाटो की शिकायत दर्ज कराने के लिए गूगल पर कस्टमर केयर नंबर तलाश रहे थे। कॉल करने पर राहुल नाम के व्यक्ति से बात हुई।

उसने शिकायत दर्ज कराने के नाम पर 5 रुपए का पेमेंट कराया। इसके बाद 10 अगस्त की सुबह इंटरनेट बैंकिंग से स्टेटमेंट चेक किया तो पीएनबी एकाउंट से 5-5 लाख रुपए के दो ट्रांजेक्शन मिले। उनके मुताबिक दोनों ट्रांजेक्शन उनकी जानकारी के बिना हुए।

साउथ सिटी निवासी भगवंत पांडेय के मुताबिक 17 अगस्त को उन्हें ग्रीन गैस कनेक्शन बंद होने का संदेश मिला। मैसेज में दिए नंबर पर संपर्क करने पर व्यक्ति ने खुद को ग्रीन गैस लिमिटेड का अधिकारी बताया। सीआरएन अपडेट करने के नाम पर 13 रुपए का भुगतान करने को कहा गया। भुगतान के प्रयास के दौरान ठग ने एक स्क्रीनशॉट भेजकर कनेक्शन वेरिफिकेशन का झांसा दिया।

मुरादाबाद में खेत में काम करते समय गर्दन दबोची, महिलाओं ने पत्थर-दराती मारकर भगाया

तेंदुए ने सिपाही की मां को मार डाला

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में तेंदुए ने सिपाही की मां को मार डाला। वह धान की निराई करने गई थी। इसी दौरान पीछे से आए तेंदुए ने गर्दन दबोच ली। चीख सुनकर आसपास खेतों में काम कर रही महिलाओं ने शोर मचाया। तेंदुए पर पत्थर और दराती फेंकी। इसके बाद तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया, लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। घटना के बाद ग्रामीणों में काफी आक्रोशित हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घटना

जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र की मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे की है। बलिया बहापुर गांव में रहने वाली मिथलेश देवी (45) के दो बेटियां और एक बेटा है। बेटा रोहित एटा कोतवाली सदर में सिपाही के पद पर तैनात है। मंगलवार सुबह मिथलेश गांव की 10-15 महिलाओं के साथ खेत में धान की निराई करने गई थीं। मिथलेश का खेत करीब डेढ़ किलोमीटर दूर जंगल में है। इलाके में लगातार तेंदुए के हमलों को देखते हुए महिलाएं ग्रुप में खेत गई थीं। मिथलेश

डीएफओ बोले- तेंदुए को पकड़ने के लिए ड्रोन से निगरानी हो रही

DFO डॉ. विनय कुमार ने बताया- बहापुर बलिया गांव को अति-संवेदनशील घोषित कर दिया गया है। तेंदुए को पकड़ने के लिए थर्मल ड्रोन से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। पिंजरे लगाए जा रहे हैं। साथ ही वन विभाग की विशेष रेस्क्यू टीम और ट्रैंकुला-इजर एक्सपर्ट्स को भी मौके पर तैनात किया गया है। तेंदुए को जल्द से जल्द पकड़ लिया जाएगा।

अपने खेत में धान की निराई कर रही थीं। इसी दौरान गन्ने के खेत से निकले तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। तेंदुए ने उनकी गर्दन दबोच ली और खींचकर गन्ने के खेत की तरफ ले जाने लगा। मिथलेश पर हमला होते देख खेत में काम कर रही महिलाओं ने शोर मचाया और तेंदुए की तरफ दौड़ीं। उनके चिल्लाने पर तेंदुआ मिथलेश को छोड़कर भाग गया। भागदौड़ में एक अन्य महिला पुष्पा बेहोश हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आसपास के तेंदुआ प्रभावित गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों का आरोप है कि इलाके में लगातार तेंदुए के हमले हो रहे हैं। लेकिन, प्रशासन और वन विभाग समस्या रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा। हालांकि, पुलिस और वन विभाग

के अधिकारियों ने जल्द तेंदुए को पकड़ने का आश्वासन दिया। कमिश्नर संगीता सिंह ने कहा- मैंने कल ही वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की है। पहले मैं यह समझना चाहती हूं कि तेंदुए के हमारी सीमा में आने की असली वजह क्या है? उससे निपटने के लिए हमारे पास कितने संसाधन हैं? इसके बाद धीरे-धीरे एक कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

यूजीसी विरोधी रैली में लगे राहुल और अखिलेश मुर्दाबाद के नारे

आगरा में वीडियो हो रहा वायरल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष के मौजूद होने का है दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के खेरागढ़ में मंगलवार को यूजीसी के विरोध में निकाली गई रैली में "राहुल गांधी मुर्दाबाद" के नारे लगाए गए। इस दौरान "अखिलेश यादव मुर्दाबाद" के नारे भी लगाए गए। नारेबाजी का वीडियो आज सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दावा यह भी किया जा रहा है कि नारेबाजी के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामनाथ सिकरवार मौके पर मौजूद थे और पूरे घटनाक्रम पर मौन रहे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में यूजीसी के विरोध में निकाली गई रैली के दौरान भीड़ के बीच से "राहुल गांधी मुर्दाबाद" के नारे सुनाई दे रहे हैं। इसके बाद "अखिलेश यादव मुर्दाबाद" के नारे भी लगाए जाते हैं। वीडियो सामने आने के बाद नारेबाजी को लेकर राजनीतिक चर्चा शुरू हो गई है। दावा किया जा रहा है कि जिस समय ये नारे लगाए जा

रहे थे, उस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामनाथ सिकरवार भी मौके पर मौजूद थे। हालांकि, नारेबाजी को लेकर रामनाथ सिकरवार की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मंगलवार दोपहर करीब एक बजे कस्बा स्थित डाक बंगले पर तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांवों और कस्बों से सवर्ण समाज के सैकड़ों युवा एकत्रित हुए। हाथों में 'यूजीसी वापस लो' लिखे बैनर-पोस्टर और राष्ट्रध्वज लेकर प्रदर्शनकारी सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कस्बे के मुख्य मार्गों से होते हुए तहसील पहुंचे। यहां करीब एक घंटे तक सभा हुई।

फास्ट न्यूज

198 किलो दूषित खाद्य सामग्री नष्ट

उन्नाव। उन्नाव में रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावटखोरों और बिना लाइसेंस खाद्य कारोबार करने वालों के खिलाफ दो दिवसीय अभियान चलाया। मंगलवार और बुधवार को सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय प्रियंका सिंह के नेतृत्व में सचल दल ने जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में औचक छापेमारी की। इस दौरान करीब 198 किलोग्राम असुरक्षित और मिलावटी खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई।

भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष का उन्नाव में स्वागत

उन्नाव। उन्नाव में बुधवार दोपहर दिल्ली से लखनऊ जा रही शताब्दी एक्सप्रेस में सवार भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद का उन्नाव रेलवे स्टेशन पर स्वागत किया गया। सदर विधायक पंकज गुप्ता के नेतृत्व में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता स्टेशन पहुंचे थे। शताब्दी एक्सप्रेस के उन्नाव स्टेशन पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। सदर विधायक पंकज गुप्ता सहित भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया। इस दौरान स्टेशन परिसर में कार्यकर्ताओं की भीड़ जमा रही।

सड़क हादसे में युवक की मौत

उन्नाव। उन्नाव के नवाबगंज थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। बुधवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने इसे हादसा मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है। उनका आरोप है कि मृतक अपनी पत्नी के कथित संबंधों को लेकर तनाव में था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कस्तूरबा की छात्राओं ने डीएम को बांधी राखी

जिलाधिकारी ने उपहार दिए, समस्याओं पर कार्रवाई के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में रक्षाबंधन के अवसर पर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय करपिया, मसौली की छात्राओं ने जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह से मुलाकात की। छात्राओं ने अपने हाथों से बनाई राखियां जिलाधिकारी की कलाई पर बांधीं। जिलाधिकारी ने छात्राओं के स्नेह को स्वीकार करते हुए उन्हें उपहार भेंट किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान जिलाधिकारी ने छात्राओं से उनकी पढ़ाई-लिखाई, विद्यालय की व्यवस्थाओं, खान-पान और रहने-सहने की सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं को

आश्वस्त किया कि वे बिना किसी चिंता के मन लगाकर पढ़ाई करें और उनकी अन्य जरूरतों का ध्यान रखा जाएगा। छात्राओं ने जिलाधिकारी के समक्ष विद्यालय की कुछ आवश्यकताएं भी रखीं। उन्होंने उच्चीकृत एकेडमिक भवन से हॉस्टल तक के रास्ते पर इंटरलॉकिंग कराने और खेल मैदान में मिट्टी की पटाई का अनुरोध किया। जिलाधिकारी ने इन मांगों को गंभीरता से लेते हुए अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि खेल मैदान में मिट्टी पटाई का कार्य बरसात समाप्त होने के बाद कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि 13 अगस्त को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय मुजीबपुर, देवा के निरीक्षण के दौरान भी छात्राओं ने परिसर के रास्ते पर इंटरलॉकिंग की मांग की थी। छात्राओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए उस कार्य को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। साथ ही, विद्यालय की अन्य मूलभूत आवश्यकताओं के संबंध में भी संबंधित अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए गए थे।

20 वर्षीय युवक का शव पेड़ से मिला

बाग में लटका था, मंगलवार रात से लापता, पुलिस जांच में जुटी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के सोहरामऊ थाना क्षेत्र के बेगमखेड़ा गांव में बुधवार दोपहर एक 20 वर्षीय युवक का शव पेड़ से लटका मिला। युवक मंगलवार रात से लापता था। किसानों ने गांव के बाहर स्थित एक बाग में शव देखा, जिसके बाद ग्रामीणों और पुलिस को सूचना दी गई। बुधवार सुबह जब ग्रामीण खेतों की ओर जा रहे थे, तो उन्होंने बाग में एक पेड़ से ललित का शव लटका हुआ देखा। इस खबर से गांव में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने तत्काल ललित के परिजनों और सोहरामऊ पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को पेड़ से उतरवाकर

पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के अनुसार, ललित चार भाइयों में दूसरे नंबर का था और उसकी शादी नहीं हुई थी। युवक की मौत की खबर से परिवार में शोक का माहौल है। सोहरामऊ इंस्पेक्टर अरविंद पांडे ने बताया कि युवक का शव पेड़ से लटका मिला है और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है। युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस मंगलवार रात से ललित के लापता होने से लेकर शव मिलने तक की सभी परिस्थितियों की जानकारी जुटा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह स्पष्ट होने की उम्मीद है।

मृतक की पहचान बेगमखेड़ा गांव निवासी स्व. सुरेश के पुत्र ललित के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि ललित मंगलवार रात से घर से लापता था और रात भर उसकी तलाश की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला था।

हरदोई में 2.60 लाख की धोखाधड़ी, सोफा कारोबारी सहित दो लोग शिकार

साइबर थाने में एक ही दिन दर्ज हुए 3 एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जिले में साइबर अपराध के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। आम लोगों के साथ व्यापारी भी साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं। पुलिस और बैंक स्तर पर सुनवाई नहीं होने पर कई पीड़ितों को न्यायालय की शरण लेनी पड़ रही है। इसी क्रम में साइबर थाने में मंगलवार देर शाम एक ही दिन में साइबर धोखाधड़ी के तीन अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए। इनमें एक मामला रात 8:51 बजे दर्ज हुआ। पहला मामला सांडी थाना क्षेत्र के काजीटोला निवासी मोहम्मद शकील अहमद का है। वह 'जैद एंटरप्राइजेज' नाम से सोफा कारखाना चलाते हैं। शकील ने फेसबुक पर जयपुर की 'विनायक

इंडस्ट्रीज' का विज्ञापन देखा था। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर अजय शर्मा ने उन्हें 90 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से 700 किलोग्राम सोफा पन्नी देने का सौदा किया। शकील ने 12 से 16 मार्च 2026 के बीच यूपीआई के जरिए 63 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद उन्हें न तो सामान मिला और न ही रकम वापस की गई। पीड़ित ने मामले को लेकर एसीजेएम तृतीय की अदालत में याचिका दाखिल की।

मोबाइल हैक कर खाते से निकाले 98 हजार

दूसरा मामला हरियावां थाना क्षेत्र के मदरावां निवासी ऋषभ शुक्ला से जुड़ा है। आरोप है कि 18 मई 2026 को उनका मोबाइल हैक कर लिया गया। उसी दिन दोपहर 1:19 बजे उनके बैंक ऑफ इंडिया खाते से धोखाधड़ी कर 98 हजार रुपये निकाल लिए गए। जांच में सामने आया कि रकम दिलदेर हुसैन नाम की गूगल आईडी से जुड़े बैंक खाते में भेजी गई थी। पीड़ित की याचिका पर एसीजेएम तृतीय के आदेश के बाद साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया।

फ़ोनपे हैक कर निकाले 98,999 रुपये, पूरी रकम फ्रीज

तीसरा मामला बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के गुरौली गांव निवासी हरीबाबू द्विवेदी का है। 13 मई 2026 की रात अज्ञात हैकर्स ने उनका PhonePe अकाउंट हैक कर लिया। इसके बाद तीन किस्तों में उनके खाते से कुल 98,999 रुपये निकाल लिए गए। रकम कटने की जानकारी मिलते ही हरीबाबू ने तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल की। हेल्पलाइन की त्वरित कार्रवाई से ठगी की पूरी रकम समय रहते फ्रीज करा दी गई। इससे पीड़ित को बड़ी राहत मिली।

सिलेंडर लीकेज से लगी आग

नाश्ता बनाते समय चचेरे भाई-बहन गंभीर रूप से झुलसे, जिला अस्पताल में भर्ती

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के पुरवा थाना क्षेत्र के तौरा गांव में बुधवार सुबह करीब आठ बजे नाश्ता बनाते समय गैस सिलेंडर में लीकेज से आग लग गई। इस हादसे में 12 वर्षीय कीर्ति और 10 वर्षीय अमन गंभीर रूप से झुलस गए। परिजनों ने दोनों बच्चों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। तौरा गांव निवासी रामविलास की पुत्री कीर्ति और सुनील के पुत्र अमन रसोई में नाश्ता बना रहे थे। इसी दौरान अचानक गैस सिलेंडर से गैस लीक होने लगी और देखते ही देखते आग भड़क गई। आग ने पूरी रसोई को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने से कीर्ति और अमन करीब 40 प्रतिशत तक झुलस गए। दोनों चचेरे भाई-बहन हैं। घटना के बाद परिजनों और आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया और

झुलसे हुए बच्चों को तुरंत जिला अस्पताल ले गए। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों बच्चों का उपचार शुरू कर दिया है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। बच्चों की गंभीर हालत को देखते हुए परिवार के अन्य सदस्य भी अस्पताल पहुंच गए हैं। घटना के बाद ग्रामीणों ने रसोई में गैस सिलेंडर और चूल्हे की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सावधानी बरतने की बात कही है। आग लगने के सही कारणों की जांच की जा रही है।

माहौल : अकीदतमंदों ने लगाए नारे, नेक आमाल की राह पर चलने की अपील

उन्नाव में बारावफात पर निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में बुधवार को बारावफात के अवसर पर जश्न-ए-मिलादुन्नबी का माहौल रहा। इस मौके पर शहर में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। मंगलवार रात से ही शहर के मोहल्लों, गलियों, घरों, मस्जिदों और प्रमुख स्थानों को आकर्षक रोशनी से सजाया गया था। जगह-जगह मस्जिदों और दरगाहों के सुंदर मॉडल बनाए गए, जिन्हें देखने के लिए देर रात तक भीड़ उमड़ती रही। बुधवार दोपहर जामा मस्जिद से जुलूस-ए-मोहम्मदी की शुरुआत

हुई। जुलूस में शामिल अकीदतमंदों ने नात-ए-पाक और सलाम पेश करते हुए पैगंबर मोहम्मद साहब की शान में नारे बुलंद किए। 'नबी की आमद मरहबा, आका की आमद मरहबा' और 'नारे-ए-तकबीर' के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। जुलूस से पहले जामा मस्जिद में परचम कुशाई की रस्म अदा की गई। शहर काजी मौलाना निसार अहमद मिस्बाही ने तकरीर पेश करते हुए कहा कि अल्लाह के नबी और उनके सहाबा से मोहब्बत ईमान का अहम हिस्सा है। उन्होंने लोगों से अमन, भाईचारे, इंसानियत और नेक आमाल की राह पर

जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

जुलूस के स्वागत के लिए पूरे मार्ग पर विशेष तैयारियां की गई थीं। जगह-जगह सबीलें लगाकर ठंडा पानी और शरबत वितरित किया गया। कई स्थानों पर हलवा, पूड़ी, बिरयानी समेत अन्य खाद्य सामग्री लोगों को बांटी गई। अकीदतमंदों पर फूल बरसाकर भी स्वागत किया गया।

खास बात यह रही कि मुस्लिम समाज के साथ अन्य धर्मों के लोगों ने भी जुलूस का स्वागत कर सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की मिसाल पेश की। स्वागत स्थलों पर लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी और अमन-चैन की दुआ की।

चलने की अपील की। कमेटी की ओर से तराना पेश किया गया।

मरकजी सीरत कमेटी की देखरेख में निकला जुलूस अनुशासन और उत्साह के साथ आगे बढ़ता रहा। शमशाद अखाड़े के युवाओं ने रास्ते भर तलवारबाजी, लाठी और अन्य पारंपरिक खेलों के हैरतअंगेज करतब दिखाए। करतब देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा होती रही। युवाओं के प्रदर्शन पर लोगों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया।

होटल की गतिविधियों की जांच की मांग

हरदोई। हरदोई के देहात कोतवाली क्षेत्र के मुरलीगंज स्थित होटल 'स्वागत' के संचालन और वहां की गतिविधियों को लेकर कांग्रेस नेताओं ने जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है। बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रेम प्रकाश वर्मा (पीपी) के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर होटल से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच कराने की मांग उठाई। बुधवार, 26 अगस्त को दोपहर करीब 2:30 बजे सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि होटल की गतिविधियों को लेकर स्थानीय लोगों की ओर से लगातार शिकायतें और आशंकाएं सामने आ रही हैं। कांग्रेस नेताओं ने आबादी क्षेत्र में होटल के संचालन से आसपास के ग्रामीणों, महिलाओं और बच्चों पर पड़ने वाले सामाजिक प्रभाव की भी जांच कराने की मांग की। ज्ञापन में होटल के आसपास की भूमि और भवन से जुड़े अभिलेखों की जांच कराने के साथ ही संचालन के लिए जरूरी एनओसी, अग्निशमन विभाग की अनुमति, जीएसटी और अन्य वैधानिक अनुमतियों की वैधता की जांच कराने की मांग की गई।

बाइक से गिरी वृद्ध महिला की मौत

मां की मौत देख बेटा हुआ बेहोश, इलाज कराकर लौट रहे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के रामसनेहीघाट तहसील क्षेत्र में बुधवार को एक सड़क हादसे में वृद्ध महिला की मौत हो गई। दरियाबाद थाना क्षेत्र के लालगंज चौराहे के पास बाइक से गिरने के बाद उन्हें गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी जान चली गई। मां की यह हालत देखकर उनका पुत्र भी बेहोश हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अयोध्या जिले के मवई थाना क्षेत्र के नेवरा गांव निवासी नूर आलम अपनी वृद्ध मां के इलाज के लिए दरियाबाद आए थे। दवा लेने के बाद वे दोनों बाइक से अपने घर लौट रहे थे। लालगंज चौराहे के पास अचानक महिला बाइक से नीचे गिर गईं। पुलिस कर रही मामले की जांच हादसे के बाद आसपास के लोग

मौके पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने महिला को चारपाई पर लिटाया। मां की मौत के सदमे से नूर आलम बेहोश हो गए, जिन्हें लोगों ने संभालकर होश में लाने का प्रयास किया। सामाजिक कार्यकर्ता सौरभ ने बताया कि महिला अचानक बाइक से गिर गई थीं, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही शव को एक निजी वाहन से अपने घर ले गए।

सम्पादकीय

कामचलाऊ कौशल विकास

प्र नीति आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में शिक्षा, कौशल और रोजगार के बीच बढ़ते अंतर की जो तस्वीर प्रस्तुत की, उस पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। इस रिपोर्ट में नीति आयोग ने कमजोर व्यावहारिक सीख, सतही इंटर्नशिप एवं अप्रेंटिसशिप के साथ-साथ करियर गाइडेंस की कमी को जिस तरह प्रमुख चुनौतियों में गिना, उससे यह स्पष्ट है कि कौशल विकास के जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और जिनमें अच्छी-खासी धनराशि भी खर्च की जा रही है, वे उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप नहीं हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि कौशल विकास के कार्यक्रमों में युवा कुछ सीखने के स्थान पर कामचलाऊ प्रशिक्षण पा रहे और केवल प्रमाण पत्र हासिल करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं?

यह सही समय है कि इन कार्यक्रमों के संचालन में आइआइटी और आइआइएम जैसे संस्थानों का सहयोग लिया जाए। इन कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाते समय कारोबार जगत को भी साथ लेना चाहिए, ताकि यह जाना जा सके कि उसे कैसे कौशल से लैस युवाओं की आवश्यकता है। ध्यान रहे कारोबार जगत यह शिकायत करता रहता है कि उसे जैसे कुशल युवा चाहिए, वैसे नहीं मिल पा रहे हैं। निःसंदेह यह भी चिंताजनक है कि नीति आयोग की रिपोर्ट शिक्षा व्यवस्था की खामियां भी बयान कर रही है। यह ठीक नहीं कि उच्च शिक्षा पाने वाले 80 प्रतिशत छात्रों ने प्रैक्टिकल अनुभव की कमी को बड़ी समस्या बताया। शायद इसी कारण केवल 8.25 प्रतिशत ग्रेजुएट ही ऐसे काम में हैं, जो उनकी शिक्षा स्तर के अनुरूप है। आज जब सामान्य बीए, बीकाम और बीएससी की डिग्रियां रोजगार पाने में सहायक नहीं बन पा रही हैं, तब फिर डिग्रीधारकों को किसी ऐसे कौशल से लैस किया ही जाना चाहिए, जो उन्हें रोजगार दिला सके। विडंबना यह है कि बड़ी संख्या में छात्र सामान्य डिग्रियां हासिल करते हैं और फिर वे सरकारी नौकरियों की तलाश करने लगते हैं। आज जब हर क्षेत्र में कौशल की मांग है, तब बीए, बीकाम, बीएससी आदि की पहले जैसी पढ़ाई का क्या औचित्य?

देश को केवल डिग्रीधारी युवाओं की जरूरत नहीं, बल्कि डिग्री संग किसी कौशल से लैस युवाओं की आवश्यकता है। आज की पीढ़ी को यह संदेश देना होगा कि उन्हें ऐसे किसी कौशल से लैस होना होगा, जिसकी बाजार में मांग हो। यदि ऐसा नहीं किया जाता तो युवा डिग्री तो हासिल कर लेंगे, लेकिन उन्हें नौकरी पाने में कठिनाई होगी। वर्तमान में डिग्री हासिल कर लेने और नौकरी के लिए सक्षम होने में स्पष्ट अंतर स्थापित हो गया है। इस अंतर को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने के लिए नीति आयोग के इस सुझाव पर यथाशीघ्र अमल किया जाए कि स्कूल से लेकर कालेज स्तर तक रोजगार और उद्यमिता से जुड़े कौशल की सीख दी जाए।

मिठास का कड़वा गणित - चीनी के भावों के उतार-चढ़ाव का असल खेल

> 66
> चीनी केवल स्थानीय बाजार की वस्तु नहीं है, यह एक वैश्विक कमोडिटी भी है। जब भी दुनिया के सबसे बड़े चीनी उत्पादक देशों जैसे ब्राजील, थाईलैंड या भारत में मौसम बिगड़ता है, तो अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंजों में चीनी के दाम तेजी से बढ़ने लगते हैं।

भारत में चीनी केवल रसोई का एक आवश्यक हिस्सा नहीं है, बल्कि यह देश के आर्थिक और राजनीतिक ताने-बाने को नियंत्रित करने वाली एक बेहद संवेदनशील कमोडिटी भी है। हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में आई अचानक उछाल ने एक बार फिर उपभोक्ताओं की जेब पर असर डाला है और नीति-निर्माताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। खुदरा बाजार में चीनी के दाम अचानक प्रति किलो कई रुपये चढ़ गए हैं। आम उपभोक्ता के लिए यह केवल एक सामान्य महंगाई की मार हो सकती है, लेकिन राजनीतिक-आर्थिक चश्मे से देखें तो इसके पीछे 'डिमांड और सप्लाई' के पारंपरिक नियम से कहीं बड़ा और पेचीदा खेल चल रहा है। इस खेल में मौसम की अनिश्चितता, एथनॉल निर्माण की महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय नीतियां, सरकारी अनुमानों के यू-टर्न, अंतरराष्ट्रीय बाजार का दबाव और सबसे बढ़कर, घरेलू बाजार के सटोरियों व रसूखदार जमाखोरों का सिंडिकेट शामिल है। चीनी के इस पूरे चक्रव्यूह को समझे बिना हम इसकी कीमतों के उतार-चढ़ाव के असल खेल को नहीं समझ सकते।

चीनी उद्योग का सबसे पहला और बुनियादी खेल गन्ने की पैदावार बनाम चीनी की 'रिकवरी रेट' के बीच छुपा होता है। अक्सर आम जनता और यहाँ तक कि सरकारें भी गन्ने की लहलहाती फसल देखकर यह मान लेती हैं कि इस साल चीनी का बंपर उत्पादन होगा। लेकिन हकीकत इसके उलट होती है। इस सीजन में भी गन्ने की फसल खेतों में खड़ी जरूर दिखी, लेकिन मौसम के मिजाज ने पूरा खेल बिगाड़ दिया। मानसून की अनिश्चितता और ऐन वक्त पर तापमान में आए असंतुलन के कारण गन्ने की फसल 'रेड रोट' जैसी फंगस जनित बीमारियों की शिकार हो गई। इसका सीधा असर गन्ने के अंदर मौजूद रस की मात्रा और उसकी गुणवत्ता पर पड़ा। जब यह गन्ना मिलों में पेराई के लिए पहुँचा, तो रिकवरी रेट, यानी गन्ने के वजन के मुकाबले चीनी निकलने का प्रतिशत काफी नीचे गिर गया। शुरुआती अनुमानों में जहां देश के भीतर करीब ३४३ लाख टन चीनी उत्पादन की उम्मीद जताई जा रही थी, वहीं यह रिकवरी रेट गिरने के कारण घटकर लगभग ३०६ लाख टन पर ही सिमट गया। यानी फसल दिखने में अच्छी थी, लेकिन मिलों से निकलने वाली चीनी का वास्तविक उत्पादन उम्मीद से ३७ लाख टन कम रहा। यह उत्पादन का पहला कड़वा सच है जो बाजार में कमी की शुरुआती बुनियाद रखता है।

चीनी के भावों में आए इस उबाल के पीछे सरकार की 'एथनॉल ब्लेंडिंग पॉलिसी' का भी एक बड़ा रणनीतिक हाथ है। कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने और कार्बन उत्सर्जन घटाने के लिए सरकार पेट्रोल में २० प्रतिशत तक एथनॉल मिलाने के लक्ष्य पर तेजी से काम कर रही है। एथनॉल बनाने के लिए सबसे मुफीद और आसान जरिया गन्ने का रस या भारी शीरा होता है। जब चीनी मिलों को गन्ने के रस से सीधे एथनॉल बनाने की अनुमति मिली, तो मिल मालिकों के लिए यह अधिक मुनाफे का सौदा साबित हुआ। बाजार के विश्लेषकों का एक वर्ग यह आरोप लगाता रहा है कि भारी मात्रा में गन्ने के रस को एथनॉल निर्माण की तरफ मोड़ने के कारण घरेलू बाजार में चीनी का स्टॉक कम हुआ और कीमतें बढ़ीं। हालांकि, सरकार के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि इस साल उत्पादित कुल एथनॉल का लगभग ६८ प्रतिशत हिस्सा मक्का और खराब हो चुके अनाजों से आया है, और चीनी का केवल ९ प्रतिशत हिस्सा ही एथनॉल के लिए इस्तेमाल हुआ। इसके बावजूद, बाजार एक मनोवैज्ञानिक धारणा पर काम करता है। जैसे ही सटोरियों को यह संदेश जाता है कि गन्ना चीनी के बजाय ईंधन बनाने में जा रहा है, वे बाजार में कृत्रिम कमी का डर दिखाकर कीमतों को बढ़ाना शुरू कर देते हैं।

चीनी के खेल को नियंत्रित करने वाला तीसरा सबसे बड़ा खिलाड़ी खुद सरकार की व्यापारिक नीतियां और उनके बदलते आंकड़े हैं। चीनी एक ऐसी कमोडिटी है जिस पर सरकार की पैनी नजर होती है, लेकिन कई बार जमीनी हकीकत को भांपने में होने वाली देरी बाजार को पूरी तरह अस्थिर कर देती है। इस सीजन की शुरुआत में जब मिलों और सरकारी विभागों ने बंपर स्टॉक का अनुमान लगाया, तो सरकार ने चीनी के निर्यात को हरी झंडी दे दी। इसके तहत लगभग २० लाख टन चीनी देश से बाहर भेज दी गई ताकि मिल मालिकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार के ऊंचे दामों का फायदा मिल सके और वे किसानों के गन्ने का भुगतान समय पर कर सकें। लेकिन जैसे ही मध्य-सीजन में कम रिकवरी के कारण चीनी का वास्तविक उत्पादन घटने लगा, सरकार को अपनी रणनीति अचानक बदलनी पड़ी। आनन-फानन में निर्यात पर रोक लगाई गई और घरेलू बाजार में आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तुरंत १० लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की घोषणा करनी पड़ी। सरकार की नीतियों में आया यह अचानक यू-टर्न बाजार के बड़े व्यापारियों के लिए एक स्पष्ट संकेत होता है। वे समझ जाते हैं कि सरकार के पास स्टॉक की कमी है, और यहीं से सट्टेबाजी का असली खेल शुरू होता है। जब उद्योग जगत के शीर्ष संगठन 'इंडियन शुगर एंड बायोएनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन' के बयानों को देखा जाए, तो उनका स्पष्ट कहना है कि देश में चीनी की कोई वास्तविक या भौतिक किल्लत नहीं है। देश की आबादी की जरूरत को पूरा करने के लिए गोदामों में पर्याप्त चीनी मौजूद है। तो फिर दाम क्यों बढ़ रहे हैं? इसका जवाब है—जमाखोरी और कृत्रिम किल्लत का संगठित सिंडिकेट। यह खेल थोक व्यापारियों, बड़े डीलरों और वायदा बाजार के सटोरियों द्वारा खेला जाता है। जैसे ही मौसम की खराबी या आयात-निर्यात नीतियों में बदलाव की खबरें आती हैं, यह सिंडिकेट सक्रिय हो जाता है। विशेषकर त्योहारों के सीजन के दौरान, जब मिठाई और कोल्ड ड्रिंक निर्माताओं की मांग चरम पर होती है, ये बड़े डीलर एडवांस में ही चीनी का भारी स्टॉक दबा लेते हैं। मिलों से बाजार तक आने वाली सप्लाई चेन को जानबूझकर धीमा कर दिया जाता है। जब मांग बहुत ज्यादा हो और बाजार में माल कम दिखे, तो कीमतें अपने आप आसमान छूने लगती हैं। इस तरह बिना किसी वास्तविक कमी के, केवल कागजी और गोडाउन के स्तर पर कमी दिखाकर करोड़ों रुपये का मुनाफा कमाया जाता है।

भारतीय चीनी मिलें हमेशा इस फिराक में रहती हैं कि वे वैश्विक बाजार की इस तेजी का लाभ उठाएं।

अशोक भाटिया

गांधी के विकास...

कुमार कृष्णन

शहर बनाइए, लेकिन जिंदगी उजाड़कर नहीं

पटना की सड़कों पर 25 अगस्त को किसानों का उतरना केवल किसी सरकारी परियोजना के विरोध का दृश्य नहीं था। इसके पीछे जमीन, आजीविका, सम्मान, अस्मिता और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा गंभीर सवाल है। प्रस्तावित पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप को लेकर पुनपुन, नौबतपुर, मसौढ़ी, फतुहा, संपतचक, पटना ग्रामीण, धनरुआ, दनियावां और फुलवारी क्षेत्र के किसानों में असंतोष है। प्रस्तावित योजना का क्षेत्र करीब 81,730 एकड़ और 273 गांवों तक फैला बताया गया है। पुनपुन के 19 गांवों में करीब 3,008 एकड़ का कोर क्षेत्र प्रस्तावित है।

सरकार इसे पटना के सुनियोजित विस्तार, आवास, रोजगार, परिवहन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली महत्वाकांक्षी परियोजना के रूप में देख रही है। दूसरी ओर किसानों का कहना है कि उनकी बहुफसली और उपजाऊ जमीन ही उनकी आजीविका का आधार है। वे केवल मुआवजे के बदले अपनी जमीन नहीं छोड़ना चाहते। किसानों का यह सवाल गंभीर है कि जमीन चली गई तो खेती और उससे जुड़ी उनकी आर्थिक सुरक्षा का क्या होगा? यहीं से यह मामला महज भूमि अधिग्रहण का प्रशासनिक प्रश्न नहीं रह जाता। इसे महात्मा गांधी और डॉ. राममनोहर लोहिया की कसौटी पर देखने पर विकास, लोकतंत्र और किसान के अधिकार से जुड़े कई बुनियादी प्रश्न सामने आते हैं।

गांधी के विकास-दर्शन का केंद्र मनुष्य था। वे विशेष रूप से समाज के अंतिम व्यक्ति के हित को किसी भी निर्णय की कसौटी मानते थे। उनकी 'अंत्योदय' की दृष्टि यही पूछती है कि किसी नीति या परियोजना का असर सबसे कमजोर व्यक्ति पर क्या पड़ेगा।

पाटलिपुत्र टाउनशिप के संदर्भ में पहला सवाल भी यही होना चाहिए कि इस परियोजना से सबसे अधिक प्रभावित कौन होगा? यदि वह किसान है जिसकी तीन फसलों वाली जमीन चली जाती है, तो उसके जीवन का मूल्यांकन केवल जमीन की बाजार कीमत से कैसे किया जा सकता है?

किसान के लिए जमीन सिर्फ संपत्ति नहीं है। वह उत्पादन का साधन, परिवार की सुरक्षा और सामाजिक पहचान का आधार है। खेत से होने वाली आय से बच्चों की पढ़ाई, बेटियों की शादी और परिवार की दूसरी जरूरतें पूरी होती हैं। इसलिए जमीन के बदले मिलने वाला मुआवजा और आजीविका का स्थायी विकल्प एक ही बात नहीं है। गांधी की कसौटी पर किसी भी विकास योजना की पहली परीक्षा यही होगी कि क्या वह अंतिम व्यक्ति के हित को केंद्र में रखती है।

गांधी की 'ट्रस्टीशिप' की अवधारणा भी यहां प्रासंगिक है। इसका मूल भाव था कि संसाधनों का उपयोग व्यापक सामाजिक हित में होना चाहिए। यदि कृषि भूमि को शहरी विकास में बदला जाता है तो उस भूमि से जुड़े लोगों को केवल मुआवजे का पात्र मान लेना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें निर्णय-प्रक्रिया का सहभागी बनाना होगा।

सरकार की ओर से लैंड पूलिंग, समझौता, हाइब्रिड मॉडल और भूमि खरीद या अधिग्रहण जैसे विकल्पों पर विचार की बात कही गई है। नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा ने किसानों और भू-स्वामियों के साथ संवाद करने तथा उनकी राय को गंभीरता से सुनने की बात कही है। यह सकारात्मक संकेत है। लेकिन गांधी की कसौटी पर संवाद का अर्थ केवल योजना समझाना नहीं है। संवाद का अर्थ है—दूसरे पक्ष की बात सुनना और आवश्यकता पड़ने पर अपने निर्णय में बदलाव की संभावना बनाए रखना।

यदि किसान कहता है कि उसे अपनी जमीन नहीं देनी है, तो प्रशासन को केवल उसे परियोजना के लाभ समझाने के बजाय यह भी समझना होगा कि वह जमीन क्यों नहीं देना चाहता।

यहीं गांधी का अहिंसक लोकतंत्र महत्वपूर्ण हो जाता है। गांधी के लिए असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति थी। सत्याग्रह का मूल भाव था कि अन्यायपूर्ण या अस्वीकार्य व्यवस्था के विरुद्ध शांतिपूर्ण प्रतिरोध किया जाए और विरोध करने वाले की आवाज सुनी जाए।

25 अगस्त को किसानों ने गांधी मैदान से मार्च निकाला और डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़े।

उपभोक्ता पर...

ओ.पी. पाल

क्या चीनी की कडवाहट के बाद अब प्याज निकालेगा आंसू?

भारत में प्याज जैसे खाद्य सामग्री का संकट, पिछले कुछ दशकों में राजनीतिक और आर्थिक इतिहास बदलने का गवाह बनते देखा गया है। इसका कारण भी स्पष्ट रहा है, कि भारतीय रसोई की नींव अगर स्वाद, सेहत और सुगंध पर टिकी है, तो उसमें चीनी की मिठास और प्याज का तड़का दो सबसे मजबूत स्तंभ माने जाते हैं लेकिन हाल के दिनों में खाद्यान्न और खाद्य पदार्थों के दामों में उतार-चढ़ाव ने आम उपभोक्ता के घरेलू बजट की गणित को पूरी तरह बिगाड़ कर रख दिया है। पहले तो खाद्य तेलों और चीनी की कीमतों में आई नरमी अचानक दामों में उछाल में बदल गई, और अब बाजार में प्याज की बढ़ती कीमतें आम आदमी की आंखों में आंसू लाने की शुरुआत कर दी है। सवाल यह उठता है कि क्या चीनी की कड़वाहट के बाद अब प्याज वाकई आमजन को रुलाने की तैयारी में है? हालांकि, स्थिति गंभीर होने से पहले ही केंद्र व राज्य सरकारों ने मोर्चा संभाल लिया है। जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कानूनी शिकंजा कसने के निर्देश दिए गए हैं।

दरअसल, चीनी की कडवाहट के बाद प्याज की अचानक बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने विशेष योजना तैयार की है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने (24 अगस्त को) जानकारी दी है कि महाराष्ट्र के नासिक से प्याज का सरकारी बफर स्टॉक 'कांदा एक्सप्रेस' के जरिए देश के प्रमुख खपत केंद्रों तक भेजना शुरु किया है। प्रथम चरण में प्याज की खेप चेन्नई, मदुरै, दिल्ली, एर्नाकुलम और गुवाहाटी भेजी जा रही है। नासिक के बफर स्टॉक से 'कांदा एक्सप्रेस' के रेल रैक के जरिए पहुंचाई जा रही इस आपूर्ति को थोक और खुदरा दोनों बाजारों में उतारा जाएगा। राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) जैसी सरकारी एजेंसियों के माध्यम से खुदरा बाजार में 35 रुपये प्रति किलो की रियायती दर पर प्याज बेचा जाएगा। केंद्र सरकार के पास चालू वर्ष के लिए 1.21 लाख टन प्याज का सुरक्षित बफर स्टॉक उपलब्ध है, जो घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह पर्याप्त है। अधिकारियों का मानना है कि आने वाले महीनों में देश में प्याज की उपलब्धता संतोषजनक रहेगी। बफर स्टॉक की स्थापना नाफेड और एनसीसीएफ के जरिए आपात स्थिति और त्योहारों के दौरान कीमतों को स्थिर रखने के लिए ही की जाती है।

उपभोक्ताओं पर पड़ने वाली यह महंगाई केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर एक आम नागरिक की थाली और उसकी बचत पर पड़ता है। जब रसोई के चीनी, दालें, एडिबल ऑयल और प्याज जैसे मूल सामान महंगे होते हैं, तो सबसे ज्यादा नुकसान निम्न और मध्यम वर्ग का होता है। एक सामान्य भारतीय परिवार के मासिक खर्च में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 40 फीसदी से 50 फीसदी तक होती है। जब प्याज और चीनी जैसी बुनियादी चीजें महंगी होती हैं, तो शिक्षा, स्वास्थ्य और मनोरंजन जैसे अन्य अनिवार्य खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। वहीं महंगाई के कारण लोग गुणवत्तापूर्ण खान-पान से समझौता करने को मजबूर हो जाते हैं।

साँसों का क्या भरोसा

साँसों का क्या भरोसा यह सुनकर , सोचकर , देखकर , समझकर मानो भितर से अलग ही तरह की कंपन्न हों जाती हैं जिसके लियें कोई शब्द ही नहीं हैं । यह सत्य भी हैं की कब , किस जगह , कहाँ पर साँसे थम जायें और आत्मा इस देह को त्याग कर चली जायें । वितराग प्रभु सर्वज्ञ थे उनसे कूछ भी नहीं छुपा हुआ था लेकिन साँसे थमने का समय आया तो वो भी इसको परिवर्तित नहीं कर सके और असीम सूख परमानन्द को प्राप्त हों गये जहाँ आत्मा का कोई जन्म व मरण नहीं होता हैं । वर्तमान में सिमन्धर भगवान आदि तीर्थंकरों व केवली आदि का आयुष्य पूर्ण होने का या यों कहे उनकी साँसे थमने का समय निश्चित हैं उस निश्चित समय पर उनकी साँसे थम जायेंगी । हम उनकी तुलना में कही खड़े नहीं मिलते हैं परन्तु इस शाश्वत सत्य को हर समय स्वीकार कर भितर से सदकर्म की लौ हर समय प्रज्वलित करते हुए सदकर्म करते जायें जिससे साँस कभी भी थमे तो आत्मा हमारी मलिन न रहे यह समय न बोलकर आता हैं न किसी को मालूम पड़ता हैं हाँ साँसे थमने से पहले योग बन मालूम पड़ सकता हैं की साँसे थमने वाली हैं परन्तु वो भी ज़रूरी नहीं की हर किसी को यह मालूम पड़े । यह सत्य हैं की हर मानव को बात का वैराग्य थोड़ी देर रहता है लेकिन फिर वह वापस उसी राह चलता हैं या वही घोड़ा या वही मैदान में चल पड़ता है लेकिन हम जीवन का कितना ही गणित सीख ले ,पर-- सांसे घटते ही या सांसे थमना जीवन का अतिंम ₹ सत्य ₹शुन्यरहै । यह है जीवन का सही प्रकाश । भिक्षु जीवन सदा ,,सत्य सिराणे सदा राखतो त्यागी सारी सुविधांवा---वर्तमान में जीते हुए सदा सुखी रहना है । किसी क्षण तो सभी को मरना है, ही , तो हम जीवन रूपी नौका में सत्य के प्रकाश की राह के साथ में काम क्रोध मद लोभ आदि के अंधकार को हराने को लगातार प्रयत्नशील रहे ,यही सही से जीवन जीने की कला है इसलिए भय मुक्त रहकर भितर से अभय की साधना करना जीवन के सत्य का प्रकाश है ।

-प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

पाकिस्तान द्वारा ...

रामस्वरूप रावतसरे

खनिजों का भंडार, फिर भी बलूचिस्तान का अवाम गरीब, कौन खा रहा है यहां की मलाई?

बलूचिस्तान की जिस जमीन के नीचे सोना, तांबा और गैस का विशाल भंडार होने पर भी यहां के आधे लोग गरीबी रेखा के नीचे जीने को मजबूर हैं। पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत आज इसी बड़े विरोधाभास से जूझ रहा है। कड़े सैन्य अभियानों के बावजूद यहां असंतोष कम नहीं हो रहा, क्योंकि बुनियादी सुविधाओं और हक की पाकिस्तानी सरकार द्वारा अनदेखी बरसों से जारी है।

अफगान डायस्पोरा नेटवर्क में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की संघीय सरकार बलूचिस्तान को सिर्फ एक सुरक्षा समस्या मानती है, जबकि इसके पीछे की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक वजहों को पूरी तरह से अनदेखा कर रही है। बलूचिस्तान में अस्थिरता की सबसे बड़ी वजह संसाधनों की अमीरी और स्थानीय लोगों की गरीबी के बीच का भारी अंतर है। स्थानीय लोगों में इसलिए आक्रोश है क्योंकि उनकी जमीन से होने वाली कमाई की मलाई पाकिस्तान और चीन खा रहा है, जबकि उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। जब बलोच जनता अधिकारों की मांग करती है, तो सरकार सामाजिक-आर्थिक समाधान निकालने के बजाय इसे सिर्फ एक सुरक्षा संकट मानकर सैन्य बल से उन्हें दबाने की कोशिश करती है, जिससे बलूचिस्तान में असंतोष और हिंसा लगातार बढ़ती जा रही है।

बलूचिस्तान के चागाई जिले में रेको डिक और सैंदक जैसी दुनिया की सबसे बड़ी खदानें मौजूद हैं। इन खदानों से मिलने वाला सोना और तांबा पाकिस्तान के लिए विदेशी मुद्रा कमाने का बड़ा जरिया है। बलूचिस्तान में अरबों टन कोयले के समृद्ध भंडार बताए जा रहे हैं। इस कोयले का इस्तेमाल पाकिस्तान के सीमेंट कारखानों, ईंट-भट्ठों और थर्मल पावर प्लांटों में बड़े पैमाने पर होता है। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के कुल खनिज उत्पादन का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अकेले बलूचिस्तान से आता है। साथ ही विशाल लोह अयस्क के भंडार पाकिस्तान के स्टील उद्योग की नींव हैं। खनिजों के अलावा बलूचिस्तान का गहरे पानी वाला ग्वादर पोर्ट पाकिस्तान की सबसे बड़ी आर्थिक संपत्ति है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के जरिए चीन और मध्य एशिया से व्यापार इसी तट पर टिका है।

जानकारों के अनुसार बलूचिस्तान की सबसे बड़ी विरोधाभासी स्थिति यह है कि यह तांबा, सोना और प्राकृतिक गैस जैसे अमूल्य संसाधनों से भरा हुआ है, फिर भी यह पाकिस्तान का सबसे गरीब प्रांत है। यहां की लगभग 47 प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर है। पूरे देश को ऊर्जा देने वाले इस क्षेत्र के अपने निवासियों के पास पीने का साफ पानी, बिजली और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाएं तक नहीं हैं।

अफगान डायस्पोरा नेटवर्क की रिपोर्ट में पाकिस्तान की ''सुरक्षा-केंद्रित'' नीति की आलोचना की गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तानी सरकार बलोचिस्तान के संकट को केवल आतंकवाद और सुरक्षा का मुद्दा मानती है, जबकि इसके पीछे की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक वजहों जैसे नागरिक अधिकार, विकास और संसाधनों के निष्पक्ष बंटवारे को पूरी तरह अनदेखा कर देती है।

बलूचिस्तान में स्थित ''ग्वादर पोर्ट'' और ''सैंदक कॉपर-गोल्ड प्रोजेक्ट'' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स से होने वाला आर्थिक मुनाफा स्थानीय बलोच लोगों को नहीं मिल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन संसाधनों और विकास परियोजनाओं का लाभ मुख्य रूप से चीन तथा पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत के हितधारकों को मिल रहा है। बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह और सैंदक तांबा और सोना की खदान को चीन चलाता है। इनमें काम करने वाले भी बलूचिस्तान के नहीं है। इस प्रांत की अवाम रोजगार से भी महरूम है।

पाकिस्तान द्वारा समय समय पर चलाये जा रहे सैन्य अभियानों को लेकर जानकारों का कहना है कि सैन्य अभियान सिर्फ अल्पकालिक सफलता दे सकते हैं या उग्रवादियों को मार सकते हैं, लेकिन जब तक गरीबी, शिक्षा, रोजगार , खराब गवर्नेंस, अधिकारों के हनन और संसाधनों की लूट जैसे मूल मुद्दों का समाधान नहीं किया जाता, तब तक सैन्य बल के दम पर बलूच प्रांत में स्थायी शांति स्थापित नहीं की जा सकती। बलूचिस्तान में उग्रवाद और अलगाववाद के पीछे मुख्य वजह बुनियादी सुविधाओं का अभाव, मानवाधिकारों की अनदेखी और अपने ही संसाधनों से बेदखल किए जाने के चलते बलूचिस्तान के युवाओं में भारी आक्रोश है। रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व न मिलने की वजह से कई युवा हथियार उठा लेते हैं और विदेशी व बाहरी लोगों की मौजूदगी के खिलाफ विद्रोह करने लगते हैं। यही यहां हो रहा है।

हाल ही में ''बलोच रिपब्लिकन गार्ड्स'' (बीआरजी) ने नासिराबाद में ओच पावर प्लांट से पंजाब जाने वाले दो 220 केवी बिजली टावरों को विस्फोट से उड़ा दिया था। संगठन के प्रवक्ता दूस्तीन बलूच ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि जब तक बलूचिस्तान को स्वतंत्रता नहीं मिलती, तब तक सरकारी बुनियादी ढांचे पर ऐसे हमले जारी रहेंगे। यह घटना दर्शाती है कि सुरक्षा बलों के कड़े रुख के बावजूद प्रांत में उग्रवाद थम नहीं रहा है।

राजनाथ सिंह मेधावियों को मेडल देंगे, साड़ी और चूड़ीदार कुर्ता-पैजामा पहनेंगे स्टूडेंट

बीबीएयू में 4 साल बाद दीक्षांत समारोह

सम्मान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (BBAU) का 11वां दीक्षांत समारोह 29 अगस्त को होगा। करीब साढ़े 3 साल के अंतराल के बाद हो रहे इस दीक्षांत समारोह में कुल 4 साल (2023, 2024, 2025 और 2026) के सेशन में पास आउट होने वाले 8551 स्टूडेंट्स को उपाधि मिलेगी। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री और लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह होंगे। राज्य सभा सांसद मिथलेश कुमार गेस्ट ऑफ ऑनर होंगे। दीक्षांत समारोह के दौरान कुल 22 मेधावियों को मंच से सम्मानित किया जाएगा। डॉ. विक्रम सिंह यादव ने बताया कि कॉन्वोकेशन के दौरान पीएचडी

उपाधि पाने वालों में 412 स्टूडेंट्स है। इनमें 205 फीमेल और 207 मेल अभ्यर्थी है। पीजी के कुल 4662 स्टूडेंट्स में से 2402 मेल अभ्यर्थी है। जबकि 2260 फीमेल अभ्यर्थी है। इनमें NEP के तहत 228 स्टूडेंट्स ने UG पाठ्यक्रमों से 3 साल में एग्जिट किया है। UG में 2 हजार 771 स्टूडेंट्स को उपाधि मिलेगी। इनमें 1042 फीमेल स्टूडेंट्स है। डॉ.विक्रम सिंह ने बताया कि इस बार के कॉन्वोकेशन में एमए हिस्ट्री की छात्रा प्रभा चंद्रा को कुल 4 अवाड्र्स से नवाजा जाएगा। इनमें 3 गोल्ड मेडल के अलावा आरडी सोनकर अवॉर्ड भी शामिल है। इसके अलावा ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को साल 2023 , शिवांगी को साल 2024, सोनी निर्मल को साल 2025 का आरडी सोनकर अवॉर्ड दिया जाएगा। दीक्षांत समारोह के लिए निर्धारित ड्रेस कोड के तहत छात्रों को क्रीम रंग का कुर्ता-पायजामा पहनना होगा। छात्राओं के लिए क्रीम रंग की कुर्ती-सलवार चूड़ीदार अथवा साड़ी निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय ने सभी स्टूडेंट्स से ड्रेस कोड का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की है। दीक्षांत समारोह में पहनने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से स्टूडेंट्स को अंगवस्त्रम उपलब्ध कराया जाएगा। इसका वितरण 27 और 28 अगस्त को होगा। दोनों दिन सुबह 11 से दोपहर एक बजे और दोपहर तीन से शाम छह बजे तक अंगवस्त्रम प्राप्त किया जा सकेगा।

सुबह साढ़े 11 बजे से होगी शुरुआत

बुधवार को BBAU कैंपस में पत्रकार वार्ता के दौरान कुलपति प्रो.आरके मित्तल ने बताया कि शनिवार को ठीक साढ़े 11 बजे दीक्षांत समारोह का आगाज होगा। दीक्षांत समारोह को लेकर सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। यूनिवर्सिटी के फिजिक्स डिपार्टमेंट के फैकल्टी मेंबर प्रो.देवेश कुमार को यूनिवर्सिटी से डीएससी की उपाधि दी जाएगी।

दीक्षांत समारोह में बेटियों ने मारी बाजी

दीक्षांत समारोह में मेडल्स पाने वाले मेधावियों के डिटेल्स साझा करते हुए कंट्रोलर का एग्जामिनर (COE) डॉ.विक्रम सिंह यादव ने बताया कि साल 2023, 2024, 2025 और 2026 के कुल 8551 स्टूडेंट्स को उपाधि मिलेगी। इनमें 4832 मेल अभ्यर्थी है जबकि 3719 फीमेल अभ्यर्थी है। इनमें से कुल 508 मेधावियों को गोल्ड मेडल मिलेंगे। गोल्ड मेडल पाने वालों में 342 बेटियां है। जबकि 166 बॉयज को गोल्ड मेडल से नवाजा जाएगा।

508 में से 278 मेडल SC-ST कैटेगरी के है। इनमें 89 बॉयज और 189 फीमेल अभ्यर्थी है। यूनिवर्सिटी के फिजिक्स डिपार्टमेंट के फैकल्टी मेंबर प्रो.देवेश कुमार को यूनिवर्सिटी से डीएससी की उपाधि दी जाएगी।

60 वर्ष से अधिक उम्र की माताओं को आजीवन मुफ्त बस यात्रा

लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश की 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाओं को आजीवन निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा देने वाली 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का बुधवार को भव्य शुभारंभ हुआ। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा योजना का शुभारंभ और विशेष बसों को फ्लैग-ऑफ किए जाने का सजीव प्रसारण बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में देखा गया। जनपदस्तरीय कार्यक्रम की अध्यक्षता गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने की। कार्यक्रम में विधायक बल्देव पूरन प्रकाश, विधायक गोवर्धन मेघश्याम सिंह, महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी पूजा

गुप्ता सहित बड़ी संख्या में माताएं-बहनें मौजूद रहीं। मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि योजना के तहत 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकीं महिलाओं को उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में निर्धारित व्यवस्था के अनुसार आजीवन निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह योजना वरिष्ठ माताओं को दवा, उपचार अथवा अन्य आवश्यक कार्यों के लिए यात्रा करने में बड़ी राहत देगी। मंत्री ने बताया कि रक्षाबंधन के अवसर पर 27 अगस्त सुबह छह बजे से 29 अगस्त की मध्य रात्रि 12 बजे तक माताओं, बहनों और बेटियों को सहयात्री सहित निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को प्राथमिकता दे रही है। इस अवसर पर मंत्री ने करीब 500 माताओं और बहनों को साड़ी एवं मिष्ठान वितरित कर मातृशक्ति सम्मान समारोह मनाया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि मातृशक्ति समाज और राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य वरिष्ठ महिला यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है।

फास्ट न्यूज

बांदा में नाले में बहे 4 किसान, 3 की मौत

बांदा। बांदा के मरका थाना क्षेत्र के गुजैनी गांव में मंगलवार शाम बारिश के बाद उफनाए बरसाती नाले को पार करते समय चार किसान तेज बहाव की चपेट में आ गए। हादसे में चाची-भतीजे समेत तीन लोगों की डूबने से मौत हो गई, जबकि एक किसान किसी तरह तैरकर बाहर निकल आया। सूचना के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम ने ग्रामीणों के साथ मिलकर रेस्क्यू अभियान चलाया और तीनों के शव बरामद किए।

तेज रफ्तार पिकअप ने दो बहनों को मारी टक्कर

उन्नाव। उन्नाव में गंगाघाट थाना क्षेत्र में बुधवार शाम करीब पौने 6 बजे तेज रफ्तार पिकअप ने सड़क किनारे जा रही दो बहनों को टक्कर मार दी। हादसे में 6 साल की बच्ची की मौत हो गई। वहीं 8 साल की उसकी बहन गंभीर घायल है। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने शव को सरोसी पुलिस चौकी के पास रखकर सरोसी-परियर मार्ग जाम कर दिया। पुलिस ने समझाकर और कार्रवाई का भरोसा देकर लोगों को शांत कराया। हादसे के बाद परिजन दोनों बच्चियों को तत्काल नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे।

25 पशुओं से भरा मेटाडोर पकड़ा

मथुरा। मथुरा में बुधवार दोपहर करीब 12 बजे गोवर्धन रोड पर पशु तस्करी का मामला सामने आया। ब्रज गौ रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने गांव बाकलपुर के समीप पशुओं से भरे एक मेटाडोर को पकड़ा। वाहन में 25 पशु ठूंस-ठूंसकर भरे हुए थे, जिन्हें कटान के लिए अलीगढ़ ले जाया जा रहा था। पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है।

एमबीबीएस इंटर्न का स्टाइपेंड बढ़ाकर 25 हजार, डॉ. राजेश्वर सिंह ने योगी सरकार का जताया आभार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबी-बीएस इंटर्न के मासिक स्टाइपेंड को 12 हजार से बढ़ाकर 25 हजार करने का निर्णय लिया है। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने प्रदेश कैबिनेट के इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे युवा चिकित्सकों के हित में महत्वपूर्ण कदम बताया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि उन्होंने 10 जुलाई 2026 को पत्र संख्या RS/5022/MIN/26 के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष एमबीबीएस इंटर्न के स्टाइपेंड में वृद्धि का विषय उठाया था। उन्होंने अपने पत्र में इंटर्नशिप के दौरान युवा चिकित्सकों की जिम्मेदारियों, बढ़ती महंगाई और अस्पतालों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए स्टाइपेंड बढ़ाने का अनुरोध किया था। कैबिनेट के फैसले पर डॉ. सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि स्टाइपेंड में 12 हजार से 25 हजार की वृद्धि प्रदेश के हजारों एमबीबीएस इंटर्न को महत्वपूर्ण आर्थिक राहत देगी। इससे उनका मनोबल बढ़ेगा और वे अपने चिकित्सकीय प्रशिक्षण के साथ मरीजों की सेवा पर और बेहतर ढंग से ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि युवा चिकित्सकों को आर्थिक एवं संस्थागत रूप से सशक्त बनाना प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण निवेश है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह निर्णय युवाओं के प्रति संवेदनशील और भविष्य की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखने वाला कदम है।

27 से 29 अगस्त तक रोडवेज और सिटी बसों में मुफ्त सफर

रक्षाबंधन पर महिलाओं को योगी सरकार का बड़ा तोहफा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। रक्षाबंधन के पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की माताओं, बेटियों और बहनों के लिए विशेष सौगात की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (रोडवेज) और सिटी बसों में महिलाओं को निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी जाएगी। निगम की बसों में महिला यात्री अपने एक सहयोगी के साथ भी मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। मुख्यमंत्री ने बुधवार को लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' का शुभारंभ किया।

'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' का शुभारंभ

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना की शुरुआत की। बारिश के बीच मुख्यमंत्री ने विशेष बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया। बसों में सवार महिलाओं ने मुख्यमंत्री के इस उपहार के लिए हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हाथ हिलाकर महिलाओं का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान उन्होंने बस में मौजूद महिलाओं से मुलाकात की और उनके साथ सेल्फी भी ली।

60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को विशेष सुविधा

'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' के तहत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं को विशेष रूप से निःशुल्क यात्रा का लाभ दिया गया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के मंच से योजना से जुड़ी महिलाओं को स्मार्ट कार्ड भी प्रदान किए।

रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए तीन दिन मुफ्त बस यात्रा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश की महिलाओं को आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए रोडवेज और सिटी बसों में मुफ्त यात्रा की व्यवस्था की गई है। 27 अगस्त सुबह छह बजे से 29 अगस्त की मध्यरात्रि तक महिलाएं इन बसों में बिना किराया दिए यात्रा कर सकेंगी। रोडवेज बसों में महिला यात्रियों के साथ उनके एक सहयोगी को भी निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। सरकार की इस व्यवस्था का उद्देश्य रक्षाबंधन पर मायके जाने वाली बहनों और परिवारों को सुरक्षित एवं सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है।

कचनऊ में चकरोड और खसरा 651 की भूमि पर कब्जे का आरोप, नायब तहसीलदार पर अनदेखी का आरोप

तीन आदेश, तीन टीमें... फिर भी मथुरा की महावन तहसील में नहीं हुई पैमाइश

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। महावन तहसील क्षेत्र के गांव कचनऊ में चकरोड की भूमि पर कथित कब्जे के मामले में राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है। शिकायत के निस्तारण के लिए अधिकारियों की ओर से तीन बार राजस्व टीम गठित किए जाने के बावजूद मौके पर पैमाइश नहीं होने का आरोप लगाया गया है। लगातार आदेश जारी होने के बाद भी कार्रवाई आगे नहीं बढ़ने से शिकायतकर्ता ने अब मुख्यमंत्री से शिकायत करने की बात कही है। कचनऊ निवासी विजय कुमार ने अधिकारियों को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि गांव के खसरा संख्या 652 और 630 राजस्व अभिलेखों में चकरोड के रूप में दर्ज हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि चकरोड की निर्धारित सीमाओं को

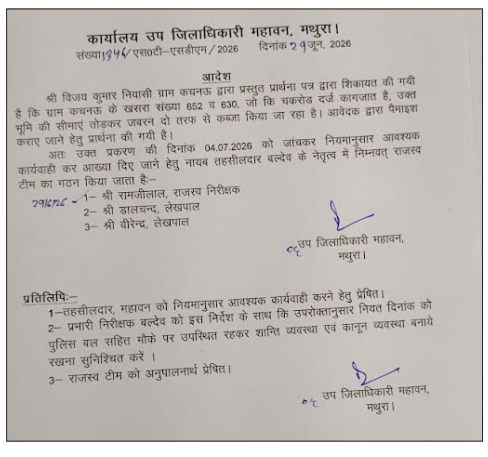

कार्यालय उप जिलाधिकारी महावन, मथुरा।
संख्या:1946/एसडी-एसडीएम/2026 दिनांक 29 जून, 2026

आदेश

श्री विजय कुमार निवासी ग्राम कचनऊ द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र द्वारा शिकायत की गयी है कि ग्राम कचनऊ के खसरा संख्या 652 व 630, जो कि चकरोड दर्ज कागजात है, उक्त भूमि की सीमाएं तोड़कर जबरन दो तरफ से कब्जा किया जा रहा है। आवेदक द्वारा पैमाइश कराए जाने हेतु प्रार्थना की गयी है।

अतः उक्त प्रकरण की दिनांक 04.07.2026 को जांचकर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कर आख्या दिए जाने हेतु नायब तहसीलदार बल्देव के नेतृत्व में निम्नवत् राजस्व टीम का गठन किया जाता है:—

1— श्री रामजीलाल, राजस्व निरीक्षक
2— श्री डालचन्द, लेखपाल
3— श्री वीरेन्द्र, लेखपाल

उप जिलाधिकारी महावन, मथुरा।

प्रतिलिपि:—
1—तहसीलदार, महावन को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने हेतु प्रेषित।
2— प्रभारी निरीक्षक बल्देव को इस निर्देश के साथ कि उपरोक्तानुसार नियत दिनांक को पुलिस बल सहित मौके पर उपस्थित रहकर शान्ति व्यवस्था एवं कानून व्यवस्था बनाये रखना सुनिश्चित करें ।
3— राजस्व टीम को अनुपालनार्थ प्रेषित।

उप जिलाधिकारी महावन, मथुरा।

तोड़कर दोनों ओर से कथित रूप से कब्जा किया जा रहा है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि संबंधित व्यक्ति ने खसरा संख्या 651 की भूमि पर भी कब्जा कर लिया है। शिकायतकर्ता ने प्रशासन से मौके पर पैमाइश कराकर राजस्व अभिलेखों के अनुसार वास्तविक स्थिति स्पष्ट कराने और यदि कब्जा पाया जाए तो नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। मामले को लेकर उप जिलाधिकारी महावन कार्यालय की ओर से लगातार कार्रवाई के आदेश जारी किए गए। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार 16 जनवरी 2026, एक जून 2026 और 29 जून 2026 को अलग-अलग आदेश जारी कर राजस्व टीम का गठन किया गया।

शिकायतकर्ता ने कहा है कि यदि स्थानीय स्तर पर मामले का निस्तारण नहीं हुआ तो वह मुख्यमंत्री के समक्ष शिकायत रखेंगे। अब देखना होगा कि लगातार जारी किए गए आदेशों के बाद राजस्व विभाग मौके पर पैमाइश कराकर मामले का निस्तारण कब तक करता है।

आदेश निकलते रहे, मौके पर नहीं पहुंची टीम

शिकायतकर्ता का आरोप है कि तीन बार टीम गठित होने और स्पष्ट आदेश जारी होने के बावजूद आज तक मौके पर पहुंचकर पैमाइश नहीं की गई। आरोप है कि कार्रवाई के नाम पर केवल कागजी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इससे राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। शिकायतकर्ता ने नायब तहसीलदार प्रधुम्न त्रिपाठी पर मामले की अनदेखी करने का भी आरोप लगाया है। उसका कहना है कि यदि राजस्व टीम मौके पर पहुंचकर खसरा संख्या 651, 652 और 630 की पैमाइश एवं सीमांकन कर दे तो कब्जे की वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है।

अब मुख्यमंत्री से शिकायत की तैयारी

स्थानीय स्तर पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज शिकायतकर्ता विजय कुमार ने कहा कि वह अब मामले को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष उठाएगा। मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत करने के साथ उच्च अधिकारियों से भी मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की जाएगी। शिकायतकर्ता ने तीनों खसरों की मौके पर पैमाइश, सीमांकन, राजस्व अभिलेखों के अनुसार भूमि की स्थिति स्पष्ट करने तथा जांच में कब्जा पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। साथ ही तीन बार टीम गठित होने के बावजूद मौके पर कार्रवाई नहीं होने की भी जांच कराने की मांग उठाई है।

आईटीआई प्रवेश का प्रथम चरण का चयन परिणाम घोषित

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ, 26 अगस्त 2026। प्रदेश के राजकीय और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में सत्र 2026 के तहत छह माह, सत्र 2026-27 के एक वर्षीय और सत्र 2026-28 के दो वर्षीय पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रथम चरण का चयन परिणाम घोषित कर दिया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित अवधि में संबंधित आईटीआई में पहुंचकर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश (एससीवीटी), अलीगंज, लखनऊ की ओर से प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया के लिए 27 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक की तिथि निर्धारित की गई है। इस अवधि में अवकाश के दिन भी प्रवेश की प्रक्रिया जारी रहेगी। वेबसाइट पर देख सकेंगे चयन परिणाम विशेष सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग तथा अधिशासी निदेशक एससीवीटी अभिषेक सिंह ने बताया कि अभ्यर्थी अपना चयन परिणाम परिषद की वेबसाइट scvtup.in अथवा upvesd.gov.in/dte पर देख सकते हैं। परिणाम देखने के लिए अभ्यर्थी को वेबसाइट पर दिए गए लिंक पर क्लिक करने के बाद अपना पंजीकरण संख्या और जन्मतिथि दर्ज करनी होगी। इसके बाद चयन से संबंधित जानकारी स्क्रीन पर प्रदर्शित होगी यदि अभ्यर्थी का प्रथम चरण में चयन हुआ है तो वेबसाइट पर उसका बुलावा पत्र प्रदर्शित होगा। अभ्यर्थी इसे डाउनलोड कर प्रिंट निकाल सकेंगे। चयनित अभ्यर्थियों को उनके ऑनलाइन आवेदन में दर्ज मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से भी चयन की सूचना भेजी जा रही है। वहीं, जिन अभ्यर्थियों का प्रथम चरण में चयन नहीं हुआ है, उनकी रैंक की जानकारी वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी। ऐसे अभ्यर्थियों को अगले प्रवेश चरण

ऐलान : मांस-शराब की दुकानें हटाने के लिए 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया, 4 अक्टूबर को महासम्मेलन

30 अगस्त को मथुरा कूच करेगा विश्व हिंदू परिषद

- गोपाल राय ने कहा कि आने वाले समय में परिषद देश और विदेश में सनातन जागरण को लेकर व्यापक अभियान चलाएगी।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। विश्व हिन्दू रक्षा परिषद (VHRP) ने मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि क्षेत्र में मांस और शराब की दुकानों को हटाने की मांग को लेकर आंदोलन का ऐलान किया है। बुधवार को गोमती नगर में हुई प्रेस वार्ता में परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि प्रशासन को 72 घंटे के भीतर इस मामले में उचित फैसला लेना होगा। फैसला नहीं होने पर परिषद के कार्यकर्ता 30 अगस्त को सैकड़ों लोगों के साथ मथुरा के लिए रवाना होंगे। गोपाल राय ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि करोड़ों सनातन श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। ऐसे पवित्र क्षेत्र और परिक्रमा मार्ग पर मांस, मछली और शराब की दुकानों का संचालन नहीं होना चाहिए। इन दुकानों से श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं प्रभावित होती हैं। क्षेत्र की धार्मिक गरिमा भी प्रभावित होती है। धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाए रखना शासन-प्रशासन और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। गोपाल राय ने 4 अक्टूबर को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि महासम्मेलन व सनातन गौरव सम्मान समारोह की भी जानकारी दी। परिषद के मुताबिक, इस कार्यक्रम में विदेश से भी प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, अखिल भारतीय आतंकवाद विरोधी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनिंदर सिंह बिट्टा और विधायक राजेश्वर सिंह को आमंत्रित किया गया है।

कृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण की मांग

VHRP ने अयोध्या और काशी के बाद मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर भी भव्य मंदिर निर्माण की मांग का समर्थन किया है। गोपाल राय ने कहा कि मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण होना चाहिए। क्योंकि यह करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की आस्था से जुड़ा विषय है।

गोपाल राय बोले- 21 देशों में राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया

गोपाल राय ने कहा कि विश्व हिन्दू रक्षा परिषद का विस्तार देश के साथ विदेश में भी हो रहा है। अब तक 21 देशों में परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए जा चुके हैं। इनमें लंदन के अभिषेक कुमार, यूनाइटेड किंगडम के शरद कुमार झा, इंडोनेशिया के डॉ. रसाचार्य, ब्राजील के संजीव शर्मा, फ्रांस के विश्वनाथ शास्त्री राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। गोपाल राय ने कहा कि आने वाले समय में परिषद देश और विदेश में सनातन जागरण को लेकर व्यापक अभियान चलाएगी। नेपाल के पूर्व सांसद केदार नंदन चौधरी, कनाडा के रोहित, यूक्रेन के डॉ. लीडिया लक्ष्मी, श्रीलंका के पमल्क मन्जित करुणानायक, बैंकॉक के नवीन देव, मलेशिया के सोनू यादव, बेल्जियम के कोएरनाड एस्टर, नीदरलैंड के महादेव सिंह और स्विट्जरलैंड की श्रुति राय राष्ट्रीय अध्यक्ष बनी हैं। चीन के गुलशन रस्तोगी, कैलिफोर्निया के अभिषेक जायसवाल, इंग्लैंड के संजय पांजवानी, अलवानिया के रमेश देसाई, अंडोरा के आरके चतुर्वेदी और जापान के सुनंदा चोपड़ा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं।

पानीगांव की समस्याएं लेकर विधायक के आवास पहुंचे ग्रामीण

- जूनियर हाईस्कूल को इंटरमीडिएट तक उच्चीकृत करने और विद्यालयों में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। पानीगांव क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर बुधवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण मांट विधायक राजेश चौधरी के मथुरा स्थित आवास पर पहुंचे। ग्रामीणों ने ओवरफ्लो पोखर और जलनिकासी की समस्या के कारण प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में होने वाले जलभराव की शिकायत विधायक से की। साथ ही पानीगांव के जूनियर हाईस्कूल को इंटरमीडि-एट स्तर तक उच्चीकृत करने की मांग रखी। समाजसेवी मुन्ना चौधरी ने कहा कि विद्यालय के उच्चीकरण

से क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को आगे की पढ़ाई के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें गांव में ही बेहतर शैक्षिक सुविधा मिल सकेगी। ग्राम पंचायत सहायक विष्णु सिंह ने विधायक को बताया कि प्राथमिक विद्यालय पानीगांव द्वितीय के समीप वर्षों पुरानी पोखर है। बारिश अथवा पोखर में अधिक पानी भरने पर इसके ओवरफ्लो होने से प्राथमिक विद्यालय पानीगांव द्वितीय और पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर में जलभराव हो जाता है। इससे बच्चों और शिक्षकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि समस्या की जानकारी कई बार खंड विकास अधिकारी अभिमन्यु सेठ और ग्राम सचिव को दिए जाने के बावजूद स्थायी समाधान नहीं हुआ। निरीक्षण के नाम पर खानापूर्ति की जाती रही, लेकिन धरातल पर नाली निर्माण अथवा जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था नहीं हो सकी। ग्रामीणों के अनुसार पूर्व में एसडीएम के निर्देश के बाद भी कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी। खंड विकास अधिकारी द्वारा पोखर से अवैध कब्जा हटाने के लिए तहसील स्तर से टीम गठित किए जाने की बात कही गई थी, लेकिन करीब डेढ़ माह बीतने के बाद भी टीम गठित नहीं हुई। इसके चलते समस्या आज भी बनी हुई है और समय-समय पर विद्यालयों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न होती है।

ताजमहल देखा, बोलीं-इट्स ब्यूटीफुल, डायना बेंच पर कराया फोटोशूट

आगरा पहुंची 30 देशों की मिस टीन इंटरनेशनल फाइनलिस्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में बुधवार को 30 देशों की मिस टीन इंटरनेशनल की फाइनलिस्ट ताजमहल देखने पहुंचीं। ताज को देखते ही फाइनलिस्ट का उत्साह देखने लायक था। उन्होंने डायना बेंच पर फोटोशूट कराया और ताजमहल के सामने ढेर सारी सेल्फी और रील बनाई। मिस टीन इंटरनेशनल का ग्रैंड फिनाले 30 अगस्त को जयपुर में होगा। एक साथ इतनी सारी सुंदरियों को देखकर ताजमहल घूमने आए पर्यटक भी उत्साहित नजर आए। कई पर्यटक फाइनलिस्ट के साथ सेल्फी लेने के लिए उनके पास पहुंच गए। फाइनलिस्ट ने ताजमहल की वास्तुकला और

इतिहास के बारे में जानकारी ली। उन्होंने शाहजहां और मुमताज की प्रेम कहानी भी जानी। वहां पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें दोनों की लव स्टोरी बताई। प्रतियोगिता में 'मिस पॉपुलर' जैसी कैटेगरी भी होती है।

इसमें सबसे ज्यादा वोट पाने वाली प्रतिभागियों को आगे बढ़ने का मौका मिलता है।

बोलीं- हर इंसान को जिंदगी में एक बार ताज देखना चाहिए

फाइनलिस्ट ने कहा-ताजमहल दुनिया के सात अजूबों में शामिल है। इसके बारे में वे बचपन से सुनती आ रही हैं। इसी वजह से ताजमहल देखने की उनकी खास इच्छा थी। उन्होंने कहा कि जिंदगी में एक बार हर इंसान को ताजमहल जरूर देखना चाहिए। वर्ल्ड टूर के दौरान उन्होंने कई देश देखे हैं, लेकिन ताजमहल जैसी खूबसूरत इमारत कहीं नहीं देखी। आगे मौका मिला तो परिवार के साथ भी ताजमहल घूमने आएंगी।

पच्चीकारी और वास्तुकला की जानकारी ली

भ्रमण के दौरान फाइनलिस्ट ने ताजमहल की पच्चीकारी यानी इनले वर्क को करीब से देखा। उन्होंने स्मारक के संरक्षण और रखरखाव से जुड़ी जानकारी भी ली। पत्थरों पर की गई बारीक कारीगरी और ताजमहल की वास्तुकला ने उनका ध्यान खींचा।

30 से ज्यादा देशों की प्रतिभागियां पहुंचीं

फाइनलिस्ट के दल में भारत, अमेरिका, मेक्सिको, स्पेन, फिलीपींस, कनाडा, कोलंबिया, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड्स, कंबोडिया समेत 30 से ज्यादा देशों की प्रतिभागियां शामिल थीं। उनकी सुरक्षा के लिए ताजमहल में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती रही। मिस टीन इंटरनेशनल में अलग-अलग देशों से चुनी गईं 13 से 19 साल की युवतियां हिस्सा लेती हैं। प्रतियोगिता में सिर्फ खूबसूरती नहीं, बल्कि प्रतिभा, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व को भी परखा जाता है।प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों के व्यक्तित्व, बातचीत करने के तरीके और मंच पर प्रस्तुति को देखा जाता है।

बोलीं- ताज जैसी सुंदर इमारत पहले नहीं देखी

ताजमहल परिसर में मिस टीन इंटरनेशनल की फाइनलिस्ट करीब 30 मिनट तक रहीं। उन्होंने एक-एक करके और ग्रुप में डायना बेंच पर बैठकर फोटो खिंचवाईं। अलग-अलग अंदाज में फोटो सेशन के साथ उन्होंने ताजमहल की पृष्ठभूमि में रील भी बनाई। इतनी सारी सुंदरियों को देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ लग गई। लोग हाथ हिलाकर उनका अभिवादन कर रहे थे। फाइनलिस्ट ने भी सिर झुकाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। ताजमहल की खूबसूरती देखकर फाइनलिस्ट ने कहा- इट्स वेरी ब्यूटीफुल।

पुलिस लाइन में कैंसर स्क्रीनिंग सेंटर का भूमि पूजन, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पुलिस लाइन मेरठ में नवनिर्माणाधीन कैंसर स्क्रीनिंग सेंटर एवं नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का रविवार को विधिवत भूमि पूजन किया गया। राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने अधिकारियों की मौजूदगी में वैदिक विधि-विधान से भूमि पूजन संपन्न कराया। कार्यक्रम में अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन, आयुक्त मेरठ मंडल, पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मेरठ समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों को स्मृति-उपहार प्रदान किए गए।

वहीं, स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली आशा कार्यकर्ताओं को मेडिकल किट एवं बैग वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ करने तथा आमजन को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि कैंसर स्क्रीनिंग सेंटर के माध्यम से समय रहते बीमारी की पहचान और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। नवनिर्माणाधीन केंद्र को क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं और कैंसर की प्रारंभिक जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

फास्ट न्यूज

रातभर नाले में पड़ी रही बुजुर्ग महिला, मौत

आगरा में 69 वर्षीय बुजुर्ग महिला रातभर नाले में पड़ी रही। बुधवार की सुबह बस्ती के लोगों की नजर पड़ी तो नाले में मृत मिली। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। महिला घर में अकेली रह रही थी। घर के सामने नाले पर आवागमन के लिए सीढ़ियां रखी हुई हैं। आशंका है कि रात में किसी वक्त सीढ़ियों से पैर फिसलने से बुजुर्ग महिला नाले में गिर गई होंगी। मामला हरीपर्वत क्षेत्र का है।

किशोरी से दुष्कर्म, वीडियो भी बनाया

आगरा। आगरा में एक किशोरी के साथ दो युवकों ने गेस्ट हाउस में दुष्कर्म किया। उसका वीडियो भी बनाया। बाद में उसे ब्लैकमेल करके दोबारा बुलाने लगे। बात नहीं मानी तो किशोरी का वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। परिजनों की शिकायत पर थाना जगदीशपुरा में आरोपी युवकों के खिलाफ FIR दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। दुष्कर्म से पहले किशोरी को चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर बेसुध कर दिया गया था। पीड़िता की मां की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया है।

योगी सरकार ने एमबीबीएस इंटर्न्स का स्टाइपेंड डबल किया

मुरादाबाद। प्रदेश सरकार ने एमबीबीएस इंटर्न्स को दिए जाने वाले स्टाइपेंड को 12500 रुपए महीने से बढ़ाकर 25000 रुपए कर दिया है। मुरादाबाद के भाजपा एमएलसी और यूपी भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट सत्यपाल सिंह सैनी ने इस मुद्दे को सीएम के सामने उठाया था। उन्होंने इस मामले में 10 जुलाई को मुख्यमंत्री से मिलकर एक प्रस्ताव रखा था।

रक्षाबंधन पर आगरा में आया गोल्ड घेवर

बाजार में आईं 22 तरह की वैरायटी, मलाई घेवर पर बढ़ गए रेट

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में इस बार रक्षाबंधन पर घेवर की 22 तरह की वैरायटी तैयार की गई हैं। सिल्वर और गोल्ड घेवर से लेकर आम, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी और पाइनएप्पल फ्लेवर तक ग्राहकों को कई विकल्प मिल रहे हैं। इनमें गोल्ड घेवर सबसे खास आकर्षण है, जिसकी भी बाजार में मांग है। चीनी महंगी होने से सबसे ज्यादा बिकने वाला मलाई घेवर महंगा हो गया है। रक्षाबंधन पर भाई-बहन के त्योहार में घेवर देने की परंपरा को देखते हुए इस बार दुकानदारों ने अलग-अलग स्वाद और कीमतों में घेवर तैयार किए हैं। इनमें सबसे प्रीमियम वैरायटी गोल्ड घेवर है, जिसकी कीमत 1000 रुपए प्रति पीस है। गोल्ड घेवर की भी ग्राहकों से मांग आ रही है। दुकान पर अन्य घेवर 800 से 4000 रुपए तक उपलब्ध हैं। सबसे ज्यादा बिकने वाले घेवर में मलाई घेवर और केसर मलाई घेवर शामिल हैं। राजेन्द्र

कुमार गुप्ता ने बताया कि त्योहारी सीजन में चीनी के दाम करीब 2000 रुपए प्रति बोरी बढ़ गए हैं। इससे लागत बढ़ने के कारण सबसे ज्यादा बिकने वाले मलाई घेवर और केसर मलाई घेवर के दाम बढ़ाने पड़े हैं। हालांकि, बाकी वैरायटी के घेवर के दाम पहले जैसे ही रखे गए हैं। उनका कहना है कि चीनी महंगी होने से मिठाई कारोबारियों को काफी परेशानी हो रही है। रक्षाबंधन के लिए खास गिफ्ट हैम्पर्स भी तैयार किए गए हैं। इनमें 5 से 6 तरह के घेवर और चॉकलेट रखी गई हैं। बच्चों की पसंद को ध्यान में रखते हुए कुछ हैम्पर्स में नमकीन, जूस, चॉकलेट, चिप्स और कुरकुरे भी शामिल किए गए हैं। रक्षाबंधन नजदीक आने के साथ अब इन गिफ्ट हैम्पर्स की भी मांग बढ़ने लगी है। व्यापारी उमेश गुप्ता ने बताया कि घेवर की कहानी राजस्थान की पारंपरिक रसोई से शुरू होती है। सदियों से इसे राजस्थान की खास मिठाइयों में गिना जाता रहा है। सावन और मानसून के मौसम में बनने वाली इस जालीदार मिठाई ने धीरे-धीरे राजस्थान की सीमाओं को पार किया और उत्तर भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई। व्यापारिक और सांस्कृतिक संपर्कों के साथ घेवर ब्रज क्षेत्र तक पहुंचा, जहां सावन, तीज और रक्षाबंधन की परंपराओं में इसे विशेष स्थान मिला।

सिल्वर से टूटी-फ्रूटी तक घेवर के 22 स्वाद

मिठाई कारोबारी राजेन्द्र कुमार गुप्ता ने बताया कि इस बार ग्राहकों की पसंद को देखते हुए 22 तरह के घेवर तैयार किए गए हैं। इनमें सिल्वर घेवर, गोल्ड घेवर, आम घेवर, काजू घेवर, केसर घेवर, ड्राई फ्रूट घेवर, ऑरेंज घेवर, पिस्ता घेवर, चिलगोजा घेवर, बादाम घेवर, सादा घेवर, मलाई घेवर, केसर मलाई घेवर, ब्लूबेरी घेवर, चॉकलेट घेवर, पान घेवर, शाही मावा घेवर, पाइनएप्पल घेवर, स्ट्रॉबेरी घेवर, बिस्कॉफ घेवर और टूटी-फ्रूटी घेवर शामिल हैं।

हस्तिनापुर हत्याकांड का खुलासा, 3 आरोपी गिरफ्तार

होटल के कमरे में गोली मारकर हत्या का आरोप, शव गंग नहर में फेंकने का दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। थाना हस्तिनापुर पुलिस और SWAT टीम देहात ने 23 अगस्त को सामने आए सरवर हत्याकांड का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, सरवर को घर से मोटरसाइकिल पर ले जाकर गढ़ चौपला (स्याना चौराहा) के पास एक होटल के कमरे में गोली मारी गई, इसके बाद शव को बेडशीट में बांधकर मध्य गंग नहर में फेंक दिया गया। मामले में रूस्तम की तहरीर पर थाना हस्तिनापुर में मु0अ0सं0 190/2026, धारा 103(1)/238 BNS के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। शिकायत में नजाकत और राहुल समेत अन्य लोगों पर हत्या का आरोप

लगाया गया था। पुलिस ने चेकिंग के दौरान राहुल पुत्र धर्मपाल, निवासी असीलपुर कौठरा, थाना किठौर को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से .315 बोर का तमंचा, जिंदा व खोखा कारतूस, सैमसंग मोबाइल और घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर बाइक बरामद हुई। विवेचना में होटल मालिक रोबिन पुत्र राजवीर शर्मा और मैनेजर ओमेन्द्र पुत्र ओमपाल की भूमिका सामने आई। पुलिस के मुताबिक, दोनों ने घटना की जानकारी होने के बावजूद सूचना नहीं दी और कमरे में मौजूद खून आदि साफ कर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया। दोनों को भी गिरफ्तार किया गया। मौके से बेडशीट के रंग से मिलता-जुलता तकिये का कवर बरामद हुआ।

पुलिस के अनुसार राहुल के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार तीनों आरोपियों को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया जा रहा है। कार्रवाई में थाना हस्तिनापुर पुलिस और निरीक्षक शैलेश तोमर के नेतृत्व वाली SWAT टीम देहात शामिल रही।

मथुरा में महंत राजू दास का पुतला फूंका

टीवी डिबेट की गाली-गलौज पर बवाल, निषाद समाज की शिकायत के बाद जांच शुरू

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। एक टीवी डिबेट के दौरान अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास और कांग्रेस प्रवक्ता कुंवर सिंह निषाद के बीच हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है। डिबेट में कथित तौर पर अभद्र भाषा और गाली-गलौज का आरोप लगने के बाद मामला अब थाने से सड़क तक पहुंच गया है। कुंवर सिंह निषाद की शिकायत के बाद निषाद समाज के लोगों ने मथुरा में प्रदर्शन किया और महंत राजू दास का पुतला दहन कर विरोध जताया। मथुरा में निषाद समाज के लोग महंत राजू दास के खिलाफ एकजुट होकर प्रदर्शन करने पहुंचे। इस दौरान लोगों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की और पुतले को जूतों की माला पहनाई। इसके बाद पुतला दहन किया गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि सार्वजनिक मंच पर किसी भी व्यक्ति

के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने पुलिस-प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की। इससे पहले कांग्रेस प्रवक्ता कुंवर सिंह निषाद अपने समर्थकों के साथ सदर थाने पहुंचे थे। उन्होंने महंत राजू दास के खिलाफ लिखित शिकायत दी। शिकायत में उन्होंने टीवी डिबेट के दौरान कथित तौर पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने, अपमानित करने और मारपीट की धमकी देने का आरोप लगाया है।

रात में धंसी सड़क, पानी की सप्लाई बंद, लोगों ने बैरिकेडिंग की मांग की

15 फीट गहरे गड्ढे में गिरी बाइक

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में एक बाइक सड़क के गड्ढे में गिर गई। मंगलवार देर रात करीब 3 बजे अचानक से सड़क का एक हिस्सा धंस गया। इससे करीब 15 फीट गहरा और 12 फीट चौड़ा गड्ढा हो गया। सुबह लोगों ने सड़क के बीचोंबीच इतना बड़ा गड्ढा देखा, उसमें बाइक पड़ी भी मिली। हादसा धनकोट फव्वारा क्षेत्र के धोबी पाड़ा मोहल्ले में हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही सुबह करीब 6 बजे वार्ड 96 की पार्षद मौके पर पहुंचीं। उन्होंने नगर निगम, टोरेंट कंपनी और पुलिस को जानकारी दी। किसी दूसरे वाहन या राहगीर के गड्ढे में गिरने से पहले प्रभावित हिस्से की पानी की सप्लाई बंद कराई गई। स्थानीय लोगों ने सड़क धंसने की वजह की जांच कराने और

तत्काल बैरिकेडिंग करने की मांग की है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पार्षद आरती शर्मा सुबह करीब 6 बजे मौके पर पहुंचीं। उन्होंने नगर आयुक्त, टोरेंट कंपनी और पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद प्रभावित हिस्से की पानी की सप्लाई बंद कराई गई, ताकि अगर जमीन के नीचे पाइपलाइन में कोई

रात में खड़ी की थी बाइक, सुबह गड्ढे में मिली

स्थानीय लोगों के मुताबिक, रात में टोरेंट के बॉक्स के पास बाइक खड़ी की गई थी। उस समय वहां कोई गड्ढा नहीं था। बुधवार तड़के तेज आवाज भी सुनाई दी, लेकिन रात होने के कारण कोई बाहर नहीं निकला। सुबह मोहल्ले के लोग घरों से बाहर आए तो सड़क के बीचोंबीच गहरा गड्ढा दिखाई दिया। पास जाकर देखा तो बाइक भी उसके अंदर पड़ी थी। गड्ढा इतना बड़ा था कि आसपास के लोग मौके पर जुटने लगे। लोगों को डर है कि सड़क का कमजोर हिस्सा और आगे भी धंस सकता है। ऐसे में उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द मौके पर सुरक्षा इंतजाम कराने की मांग की है।

दिक्कत हो तो स्थिति और खराब न हो। पार्षद ने अधिकारियों से सड़क धंसने की वजह की जांच कराने को कहा है।

धनकोट फव्वारा के धोबी पाड़ा मोहल्ले में सड़क धंसने से 15 फीट का गहरा गड्ढा हो गया।

साथ ही गड्ढे के आसपास बैरिकेडिंग कराने की मांग की, ताकि वहां से गुजरने वाले लोग इसकी चपेट में न आएं। सड़क धंसने की घटना पर अधिवक्ता अपूर्व शर्मा ने तंज कसते हुए इसे 'स्पेस टेक्नोलॉजी' का उदाहरण बताया। उनका कहना है कि सड़क की स्थिति ने नगर निगम की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

नेपाल में कुदरत का...

झुंड में 3 बच्चे भी हैं। नेपाली अधिकारियों के मुताबिक एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि जिस ग्लेशियल झील के फटने से अचानक बाढ़ आई थी, वहां अभी भी करीब 7 मीटर ऊंचा पानी का बांध बना हुआ है। यह कभी भी टूट सकता है। अधिकारियों के मुताबिक, फंसे हुए तीर्थयात्री तमिलनाडु के अलग-अलग इलाकों से हैं। इनमें चेन्नई, पुडुचेरी, चिदंबरम, कुंभकोणम, मयिलादुथुरई और तिरुचिरापल्ली के लोग शामिल हैं। तमिलनाडु सरकार के अधिकारी नेपाल में संबंधित एजेंसियों के संपर्क में हैं और तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। हालांकि, रिपोर्ट में एक जगह कम से कम 3 अमेरिकी नागरिकों के लापता होने की बात कही गई है। 111 अन्य लापता लोगों के नागरिकता की अभी पुष्टि नहीं हो सकी है। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने बुधवार को कहा कि भारतीय वायुसेना नेपाल में राहत और बचाव मिशन के लिए पूरी तरह तैयार है। राहत सामग्री, दवाइयों और मिट्टी हटाने वाले उपकरणों से लदे सी-17 और सी-130 विमान स्टैंडबाय पर रखे गए हैं।

जेन अल्फा और जेन...

इनका मकसद छात्रों को लोकतांत्रिक मूल्यों, चुनावी प्रक्रिया और चुनाव आयोग की भूमिका व कामकाज से परिचित कराना था। आयोग के मुताबिक, कम्युनिकेशन का तरीका तेजी से बदल रहा है और लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ज्यादा निर्भर हो रहे हैं। युवा मतदाताओं और जमीनी स्तर से जुड़े लोगों के साथ लगातार, व्यवस्थित और सीधे संपर्क की जरूरत को देखते हुए ईएलसी 2.0 की योजना बनाई गई है। ईएलसी 2.0 में इन क्लबों को डिजिटल सुविधाओं से लैस, व्यवस्थित और लगातार जुड़े रहने वाले ढांचे के तौर पर फिर से तैयार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी...

अब तक 17.67 लाख इलेक्ट्रिक वाहन उत्तर प्रदेश में पंजीकृत हो चुके हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि प्रदेश में लोग पारंपरिक ईंधन आधारित वाहनों के विकल्प के रूप में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपना रहे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते इस्तेमाल से पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम करने में मदद मिल रही है। विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में ई-रिक्शा, इलेक्ट्रिक दोपहिया और चार पहिया वाहनों के साथ-साथ अन्य इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में वृद्धि हुई है। इससे परिवहन क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा मिल रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों का संचालन पारंपरिक पेट्रोल-डीजल वाहनों की तुलना में अलग ऊर्जा व्यवस्था पर आधारित होने के कारण जीवाश्म ईंधन की खपत कम करने में सहायक है। इससे ऊर्जा के क्षेत्र में वैकल्पिक एवं टिकाऊ विकल्पों को बढ़ावा मिल रहा है। योगी ने कहा- उज्जवला ने केवल महिलाओं को धुएं से राहत नहीं दी। बीमारियों से मुक्ति दी। पहले फेफड़े खराब हो जाते थे। महिला के जीवन के अलग-अलग पड़ावों को अलग-अलग स्कीम से जोड़ा है। बेटी के जन्म लेने पर मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से उस परिवार को जोड़ते हैं। 1 साल की होगी तो बेटी सभी प्रकार से टीकाओं से अच्छादित हुई तो उसके नाम पर पैसा मिलेगा। ऐसे ही बेटी 5 साल की हुई, पहली क्लास में प्रवेश किया, 6वीं क्लास में जाएगी, 9वीं क्लास में जाएगी, इस दौरान पैसे दिए जाते हैं। यानी मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला ने बेटी के जन्म लेने से स्नानत तक पढ़ाई की सुविधा देती है। सामूहिक विवाह योजनाओं को तहते 1 लाख रुपए दिए जाते हैं। महिलाओं को सपा वाले पहले पेंशन के रूप में 300 रुपए देते थे। उसमें से आधा चट कर जाते थे। सपाई वहां भी डकैती डालते थे। हम लोग ₹12000 सालाना देते हैं। हमारा द्वारा भेजा गया पैसे सीधे खाते में जाता है। अगर पैसे कोई और निकालता है तो वो जेल जाएगा योगी ने कहा- पीएम संसद में नारी शक्ति अधिनियम लेकर आए। कांग्रेस-सपा ने पारित नहीं होने दिया। कॉमन वेल्थ गेम में अस्मिता डे गोल्ड मेडल जीता है। वह यूपी की सब-इंस्पेक्टर हैं। जन्म त्रिपुरा में लिया है, लेकिन सही दिशा यूपी से मिली। योगी ने कहा- बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बेटी के जन्म से लेकर उसकी शिक्षा, शिक्षा से रोजगार, रोजगार से लेकर उद्यमिता और जीवन के हर पड़ाव पर सुरक्षा, नारी के सम्मान और स्वालंबन की गारंटी, यानी हमारी हर योजना और हर निर्णय और बजट, इन्हीं उद्देश्यों को पूर्ति करने के लिए समर्पित है। आधी आबादी को भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व प्राप्त हो, इसको लेकर सरकार काम कर रही है। 2017 के पहले एक दौर था- हर बेटी, हर बहन, हर माता के जुबान पर ये नारा गूंजता था, देख सपाई बिटिया घबराई। यह नारा उस दौर का है, जहां बेटी की सुरक्षा पर संकट पैदा होता थी। उनका कोई सम्मान नहीं करता था। जब सुरक्षा नहीं, सम्मान नहीं, तो स्वालंबन कहां मिलेगा। न कोई हेल्पलाइन थी। न कोई कमांड था। न सीसीटीवी का नेटवर्क था। महिला हेल्पडेक्स थी। पेंशन और छात्रवृति बिचौलिए तय करते थे। पुष्टाहार पर माफिया का कब्जा था। उत्सव से पहले उपद्रव होता है। कर्फ्यू जब लगता था तो माता-बहनाओं को परेशानी होती थी। लैंड, सैंड, वन माफिया, पशु माफिया, नकल माफिया प्रदेश की पहचान थे। माफिया सिकिंडेट की सत्ता प्रदेश की सत्ता के सामांतर चलती थी। बुलंदेलखंड की महिलाओं की जिंदगी पानी ढोते-ढोते बीत जाती थी। उस दौर की बेटी को सुरक्षा नहीं मिली थी। किस्मत का इंतजार करती थी। हर योजना में कमीशन की साया मंडराती थी। योगी ने कहा- देश जब मुगल आंक्राताओं की चपेट में था। उस समय लोकमाता अहिल्याबाई ने महिला स्वालंबन के लिए एक उदाहरण पेश किया। न्याय की कसौटी पर उन्होंने उस समय जो तय किया था, आज उसका परिणाम हम सबके सामने हैं। देश के अंदर सैकड़ों ऐसे मंदिर हैं, जिनका अहिल्याबाई ने पुनुरुद्धार कराया। इन मंदिरों को विदेशी आक्रांताओं ने तोड़ा था। योगी ने कहा- परिवहन मंत्री दयांशकर सिंह ने हमसे कहा कि इस योजना का ऐलान कब करें? हमने कहा- रक्षाबंधन से अच्छा अवसर क्या होगा। आज हम इस योजना को शुरू कर रहे हैं। उन्होंने मुझे पूछा था कि क्या करेंगे? मैंने उनसे कहा कि सभी 75 जिलों में कार्यक्रम का आयोजन करिए। महिलाओं को बुलाइए। उन्हें मिठाई और उपहार दीजिए। योगी ने वंदे मातरम से भाषण की शुरुआत की। कहा कि रक्षाबंधन से पहले लोकमाता अहिल्याबाई के नाम पर बस सेवा शुरू हो रही है। 27, 28 और 29 अगस्त को हर महिला को एक सहयात्री के साथ फ्री में यात्रा का लाभ मिलेगा। इसके अलावा, 60 से अधिक उम्र की महिला को पूरे जीवन फ्री यात्रा उपलब्ध कराएंगे। योगी ने कहा- मैं प्रदेशभर की मातृशक्ति का अभिनंदन करता हूं। आज 60 साल और उससे अधिक की महिलाओं को फ्री बस सुविधा का तोहफा मिलने जा रहा है। हर बेटी, हर महिला को रक्षा बंधन पर सुविधा और 29 के बाद 60 वर्ष की कोई भी महिला जो यूपी की निवासी हो, वो वोटर आईडी कार्ड या आधार कार्ड दिखाकर फ्री सुविधा का लाभ मिल सकता है। वो यूपी के अंदर कहीं भी जाए सकती है। सरकार उनका किराया देगी।

लोकसभा सचिवालय...

बनर्जी ने इस मुद्दे पर 12 अगस्त को लोकसभा स्पीकर से मुलाकात भी की थी। इससे पहले उन्होंने 27 जुलाई को स्पीकर को लिखित याद दिलाई थी। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के 28 सांसदों में से 20 बागी सांसदों का गुट त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (NCPI) में विलय हो चुका है। बागी गुट की नेता काकोली घोष दस्तीदार ने 17 जून 2026 को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र सौंपने के बाद इसका ऐलान किया। TMC का कहना है कि ये सांसद उसके चुनाव चिह्न पर चुने गए थे। पार्टी के मुताबिक, किसी दूसरे राजनीतिक संगठन में शामिल होने का उनका फैसला दल-बदल कानून के प्रावधानों के तहत आता है। स्पीकर और लोकसभा महासचिव को भी याचिका में प्रतिवादी बनाया गया था।

संजय बांगड़ की बेटी अनाया की क्रिकेट में वापसी

अनुमति

- अनाया बोलीं- एक समय लगा था क्रिकेट हमेशा के लिए खो दिया
- मुंबई अंडर-19 क्रिकेट खेल चुकी हैं

ऑस्ट्रेलिया ने खेलने की अनुमति दी, हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी से बदला था जेंडर

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और बैटिंग कोच संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ के क्रिकेट में वापसी का रास्ता खुल गया है। अनाया ने जेंडर ट्रांजिशन के दौरान हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (HRT) और मार्च 2026 में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई थी। अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) ने उन्हें अपनी 'ट्रांसजेंडर एंड जेंडर डाइवर्स प्लेयर्स इन एलीट क्रिकेट पॉलिसी' के तहत ऑस्ट्रेलिया में महिला क्रिकेट खेलने की अनुमति दी है। CA के फैसले के मुताबिक अनाया मार्च 2027 से एलीट महिला क्रिकेट खेल सकती हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें तय शर्तें पूरी करनी होंगी। इस फैसले से उनके लिए विमेंस बिग बैश लीग (WBBL) में खेलने का रास्ता भी खुल सकता है। हालांकि, CA की मंजूरी का मतलब यह नहीं है कि उन्हें WBBL की किसी टीम में कॉन्ट्रैक्ट मिल गया है।

पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ ने बैंकॉक में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी के बाद यह पोस्ट शेयर की थी। अनाया इससे पहले आर्यन बांगड़ थे।

> डब्ल्यूबीबीएल जैसी एलीट प्रतियोगिताओं के लिए अनाया को सीए की मेडिकल पात्रता शर्तें पूरी करनी होंगी। सीए के पत्र के मुताबिक मार्च 2027 से उनकी एलीट क्रिकेट पात्रता इस बात पर निर्भर होगी कि ऑस्ट्रेलिया पहुंचने पर उनके ब्लड टेस्ट में सीरम टेस्टोस्टेरोन 10 एनएमओएल/एल से कम हो और वे पॉलिसी की बाकी शर्तों को भी पूरा करती रहें।

हार्मोन थेरेपी और सर्जरी के बाद क्रिकेट में वापसी

अनाया ने जेंडर ट्रांजिशन की प्रक्रिया के दौरान हार्मोन थेरेपी कराई और मार्च 2026 में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट में वापसी के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से संपर्क किया। CA ने उनके मामले की समीक्षा के बाद उन्हें फिलहाल ऑस्ट्रेलिया की प्रीमियर क्रिकेट प्रतियोगिताओं में खेलने की अनुमति दी है। प्रीमियर क्रिकेट को CA की नीति में कम्युनिटी क्रिकेट की श्रेणी में रखा गया है, इसलिए इसमें खेलने के लिए एलीट क्रिकेट वाली पात्रता शर्तें लागू नहीं होतीं।

अनाया ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के फैसले को अपने लिए बेहद भावुक पल बताया। उन्होंने कहा कि एक समय उन्हें सच में लगने लगा था कि वे शायद दोबारा क्रिकेट नहीं खेल पाएंगी।

उन्होंने कहा कि बचपन से क्रिकेट उनकी पहचान का अहम हिस्सा रहा है। ट्रांजिशन के बाद क्रिकेट से दूर होना उनके लिए सबसे मुश्किल अनुभवों में से एक था।

अनाया के मुताबिक, यह सिर्फ किसी महिला लीग में शामिल होने का मामला नहीं है, बल्कि उस खेल में वापस लौटने का मौका है, जिससे वे बचपन से प्यार करती हैं। अनाया इससे पहले मुंबई की एज-ग्रुप क्रिकेट में खेल चुकी हैं। उन्होंने मुंबई अंडर-19 स्तर पर क्रिकेट खेला था और उस दौर में सरफराज खान और उनके भाई मुशीर खान जैसे खिलाड़ियों के साथ भी खेल चुकी हैं।

आर्यन बांगर अपने पिता संजय बांगर के साथ (बाएं), बाद में वह अनाया बन गईं।

भारत में महिला क्रिकेट खेलने का रास्ता स्पष्ट नहीं

भारत में ट्रांसजेंडर महिलाओं के महिला क्रिकेट में खेलने को लेकर BCCI की स्पष्ट नीति सामने नहीं आई है। दूसरी ओर, ICC ने 2023 में पुरुष यौवन से गुजर चुके ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को एलीट महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में खेलने से रोकने की नीति अपनाई थी।

सूर्यवंशी-जायसवाल पर कार्रवाई करें : मांजरेकर

उन्हें छोड़ना यानी दूसरी बार बुरे बर्ताव के लिए तैयार करना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी के हालिया मैदान पर विवादों के बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने BCCI और ICC को टैग कर खिलाड़ियों के व्यवहार पर सवाल उठाए हैं।

मांजरेकर ने एक्स पर लिखा ,'प्रिय ICC और BCCI, पहले वैभव और अब जायसवाल. अगर आप उन्हें इस तरह के व्यवहार के लिए बार-बार छोड़ते रहेंगे, तो आप उन्हें दोबारा ऐसा बरताव दोहराने के लिए ही तैयार कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि ऐसा व्यवहार क्रिकेट और खिलाड़ियों के अपने भविष्य के लिए भी अच्छा नहीं है।

यशस्वी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में असिथा फर्नांडो से उलझ गए थे। आउट होने के बाद दोनों के बीच बहस हुई और एक समय यशस्वी का हेलमेट फर्नांडो के माथे से टकराया।

इस मामले में ICC ने दोनों खिलाड़ियों पर 25% मैच फीस का जुर्माना और एक-एक डिमेरिट अंक लगाया। यशस्वी ने बाद में अपने व्यवहार का बचाव करते हुए कहा था कि बिना यह जाने फैसला नहीं करना चाहिए कि फर्नांडो ने उनसे क्या कहा था।

वैभव सूर्यवंशी का भी हाल में श्रीलंका-A के खिलाफ मुकाबले के बाद विवाद हुआ था।

> वैभव सूर्यवंशी का अंडर-19 स्तर पर पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान भी विवाद हुआ था। आउट होने के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ी अली रजा के साथ उनकी तीखी नोकझोंक हुई थी। इसके बाद वैभव ने जूते की ओर इशारा किया था, जिसे सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक इशारा बताया गया।

पहले क्लासिकल गेम के बाद 6-0 की बढ़त, दूसरा आज, कारुआना ने मैच में 6-0 की बढ़त बना ली

कारुआना ने प्रज्ञानानंदा को ग्रैंड चेस टूर फाइनल में हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

सेंट लुइस में खेले जा रहे ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2026 के खिताबी मुकाबले में ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना ने भारत के आर प्रज्ञानानंदा को हरा दिया। कारुआना ने फाइनल के पहले क्लासिकल गेम में प्रज्ञानानंदा को शिकस्त दी। दूसरा मुकाबला आज होगा।

इस जीत से अमेरिका के कारुआना ने मैच में 6-0 की बढ़त बना ली। मुकाबले में प्रज्ञानानंदा लंबे समय तक बराबरी पर थे, लेकिन 28वीं चाल में हुई गलती के बाद कारुआना ने गेम अपने नाम कर लिया।

वहीं तीसरे स्थान के मुकाबले में विंसेंट कीमर और वेस्ली सो का पहला क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा और दोनों का स्कोर 3-3 है।

कीमर ने मुकाबले से पहले प्रज्ञानानंदा के खिलाफ मिली हार के बाद कहा कि नया मैच शुरू होने से उन्हें फिर से ध्यान लगाने में मदद मिली। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि लंबे टूर्नामेंट के कारण खिलाड़ियों पर थकान का असर पड़ रहा है।

कारुआना-प्रज्ञानानंदा और कीमर-सो के बीच दूसरा क्लासिकल गेम 26 अगस्त को भारतीय समयानुसार रात 10:30 बजे खेला जाएगा। बराबरी की स्थिति रहने पर बोनस टाई-ब्रेकर भी हो सकता है। गुरुवार को रैपिड और ब्लिट्ज मुकाबले खेले जाएंगे।

> तीसरे स्थान के मुकाबले में विंसेंट कीमर और वेस्ली सो के बीच पहला क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा। दोनों ने जटिल स्थिति में शानदार खेल दिखाया और आखिर में रुक एंडगेम में बाजी बराबरी पर खत्म हुई।

28वीं चाल की गलती से हारे प्रज्ञानानंदा

कारुआना और प्रज्ञानानंदा के बीच मुकाबला काफी देर तक बराबरी का रहा। कारुआना के मुताबिक उन्हें भी स्थिति में कोई खास बढ़त नहीं दिख रही थी और 26वीं चाल में वे स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन इसके तीन चाल बाद प्रज्ञानानंदा ने गलत खेल दिया। इस गलती से कारुआना को निर्णायक बढ़त मिल गई और उन्होंने गेम जीत लिया।

8 साल बाद क्लासिकल गेम जीते कारुआना

कारुआना ने कहा कि ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स में 2018 के बाद यह उनकी पहली क्लासिकल जीत है। 6 अंकों की बढ़त मिलने के बाद उन्होंने कहा कि अगले क्लासिकल गेम में काले मोहरों से खेलते हुए अगर वह मुकाबला संभाल लेते हैं तो उनकी स्थिति काफी मजबूत हो जाएगी।

मनोरंजन

बेटी ने कंधा दिया, पत्नी अरुणा ईरानी को गजेंद्र चौहान ने संभाला, विक्की-कटरीना समेत कई सेलेब्स पहुंचे

डायरेक्टर कुकू कोहली पंचतत्व में विलीन

नई दिल्ली, एजेंसी

फिल्ममेकर कुकू कोहली का आज अंतिम संस्कार ओशिवारा श्मशान घाट में हुआ। जिसमें कई सेलेब्स पहुंचे। इस दौरान गजेंद्र चौहान ने कुकू की पत्नी अरुणा ईरानी को संभाला। जो बहुत ज्यादा इमोशनल थीं।

अंतिम संस्कार में विक्की कौशल, कटरीना कैफ, रोहित शेट्टी, राजपाल यादव, जावेद अख्तर और शबाना आजमी भी पहुंचे।

1991 में कुकू कोहली ने फूल और कांटे से बतौर डायरेक्टर शुरुआत की। फिल्म हिट रही और अजय देवगन को बॉलीवुड में पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने कोहराम और सुहाग जैसी फिल्में बनाईं। सुहाग में अजय देवगन और अक्षय कुमार पहली बार साथ नजर आए थे। 1995 में उनकी फिल्म हकीकत रिलीज हुई। इसमें अजय देवगन और तब्बू थे। फिल्म को फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में सात कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला। कुकू को बेस्ट डायरेक्टर के लिए भी नॉमिनेशन मिला। इसके बाद उन्होंने जुल्मी, अनाड़ी नंबर 1 और ये दिल आशिकाना जैसी फिल्में बनाईं। उनकी आखिरी फिल्म वो तेरा नाम था 2004 में रिलीज हुई थी।

> कुकू कोहली का मंगलवार को 77 साल की उम्र में निधन हुआ था। उन्होंने मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में आखिरी सांस ली। उन्हें हार्ट अटैक आया था।

कुकू कोहली और अरुणा ईरानी ने गुपचुप शादी की थी

कुकू कोहली की दो शादियां हुई थीं। कुकू कोहली की पहली पत्नी का नाम रीता कोहली था। रीता कोहली और कुकू कोहली की दो बेटियां पूजा और करिश्मा थीं। वहीं, कुकू कोहली की दूसरी शादी एक्ट्रेस अरुणा ईरानी से हुई। दोनों की पहली मुलाकात फिल्म कोहराम के सेट पर हुई थी। शुरुआत में दोनों के बीच बिल्कुल नहीं बनती थी। हालांकि, काम के दौरान कुकू कोहली अरुणा का काफी ख्याल रखते थे। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती बढ़ी और यही दोस्ती प्यार में बदल गई।

राज कपूर के साथ काम करके करियर शुरू किया

कुकू कोहली ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत राज कपूर की फिल्म बॉबी में असिस्टेंट के तौर पर काम करके की थी। उन्होंने कई साल उनके साथ रहकर फिल्म बनाने की बारीकियां सीखीं। बाद में वह फिल्म बेताब में सेकेंड यूनिट डायरेक्टर रहे। सनी देओल और अमृता सिंह स्टारर यह फिल्म हिट थी। इसके बाद उन्होंने अर्जुन में भी काम किया।

अरुणा ने बताया था कि वह कुकू की पहली पत्नी और उनके परिवार की परेशानियां नहीं बढ़ाना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने अपने रिश्ते को निजी रखा। शादी के बाद अरुणा और कुकू ने बच्चे नहीं करने का फैसला लिया। अरुणा ने कहा था कि उस समय उनकी उम्र और कुकू के पहले से बच्चों को देखते हुए उन्होंने यह फैसला लिया।

स्पॉयलर बताकर मजा किरकिरा

टॉक्सिक के सीन्स रिकॉर्ड करने वालों के लिए यश का खास मैसेज

नई दिल्ली। 'टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म की रिलीज के बीच रॉकिंग स्टार यश (Yash) ने एक पोस्ट के जरिए फिल्म के स्पॉयलर को रिवील न करने की गुजारिश की है।

यश की मोस्ट एंटीसिपेटेड फिल्म टॉक्सिक (Toxic Film) दो बार टलने के बाद आखिरकार 26 अगस्त को सिनेमाघरों में आ गई है। टीजर-ट्रेलर का बज देखते हुए फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। अब यश ने एक पोस्ट के जरिए फैंस से रिक्वेस्ट की है कि वे दर्शकों की उत्सुकता को खत्म न करें।

यश का कहना है कि टॉक्सिक के सीन्स या फिर स्पॉयलर को रिकॉर्ड करके दर्शक इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट न करें। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैंस से रिक्वेस्ट करते हुए एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा, ₹टॉक्सिक हमारे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि यह उस दुनिया में बरसों से लगाए गए हमारे दिल और जज्बाज का नतीजा है जिसे हमने एक-एक फ्रेम, एक-एक सीन और एक-एक फैसले के साथ बनाया है।

'गदर मचा दिया'

रवि किशन के साथ अनुपम खेर बोमन ईरानी ने किया वायरल डांस

नई दिल्ली। बोमन ईरानी और अनुपम खेर इन दिनों वायरल डांस का हिस्सा बनने का मौका नहीं गंवा रहे हैं। GenZ प्रोटेस्ट के दौरान वायरल हुए एक रील्स पर डांस करने के बाद अब अनुपम और बोमन, रवि किशन के ट्रेंड में शामिल हो गए हैं।

रवि किशन (Ravi Kishan) कुछ समय से मीम किंक बन गए हैं। स्टेटमेंट से लेकर डांस तक... रवि किशन के क्लिप्स इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं और लोग उन पर रील्स बना रहे हैं। अब इस ट्रेंड को 'खोसला का घोसला 2' (Khosla Ka Ghosla 2) की स्टार कास्ट ने भी फॉलो किया है।

अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह, बोमन ईरानी और प्रवीन डबास, रवि किशन के साथ उनका वायरल डांस स्टेप करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में 'चक दे फट्टे' पर चारों का डांस छा गया है और अब इंटरनेट पर ये क्लिप वायरल हो रहा है। वीडियो शेयर करते हुए अनुपम खेर ने रिवील किया है कि उनकी आगामी फिल्म खोसला का घोसला 2 में रवि किशन भी अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ₹एक बायां पैर है, एक दायां पैर है। ये है चल फुट। कोऑर्डिनेशन के किंग्स वापस आ गए हैं। हम खोसला का घोसला 2 की कास्ट में अपने भाई रवि किशन का स्वागत करते हैं।

कपड़ों को लेकर ट्रोल हुई थीं, राहुल गांधी ने एक्ट्रेस का समर्थन किया था

कृति सेनन का राखी वाला विज्ञापन विवाद के बाद हटा

> कंगना रनोत ने इस विज्ञापन पर एक दिन पहले कहा था- अपने भाई को बिकिनी या अंडरगारमेंट्स में राखी क्यों बांधेंगी? आपके पास स्टाइलिंग के इतने विकल्प कहां गए? यह विज्ञापन जानबूझकर अजीब बनाया गया लगता है।

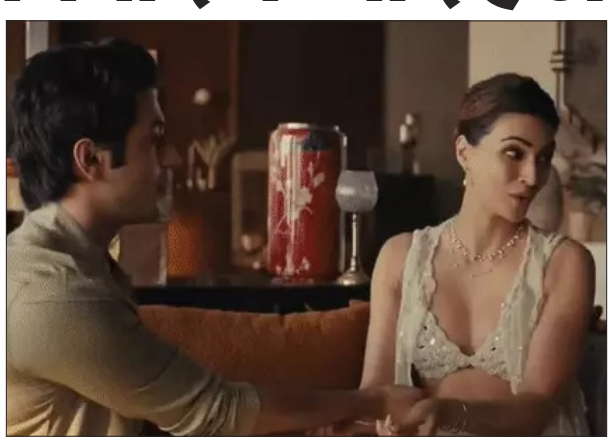

मुंबई। ज्वेलरी ब्रांड GIVA ने बुधवार को एक्ट्रेस कृति सेनन के विवादास्पद रक्षाबंधन विज्ञापन को हटा दिया है। विज्ञापन में कृति ब्रालेट-स्टाइल ब्लाउज, केप और ड्रेप्ड स्कर्ट पहने थीं। वे कुत्ते को भी राखी बांधती नजर आ रही थीं।

इस पहनावे को लेकर कई लोगों ने आपत्ति जताई थी। एक्ट्रेस से सांसद बनीं कंगना रनोत ने भी कृति के पहनावे पर सवाल उठाए थे। जबकि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्ट्रेस कृति का समर्थन किया था।

GIVA ने विवाद बढ़ता देख आज कहा कि विज्ञापन हटा लिया गया है। यह फैसला भारतीय संस्कृति और परंपराओं के सम्मान में लिया गया है। ट्रोल होने के बाद कृति सेनन ने सोशल मीडिया पर सफाई दी। राहुल गांधी ने कृति का पोस्ट अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर करके लिखा- महिलाओं के कपड़ों और जीवनशैली की ऑनलाइन पुलिसिंग यानी पहरेदारी नहीं करनी चाहिए।

इससे पहले कृति ने इंस्टा पर लिखा था कि यह त्योहार सुरक्षा और प्यार के रिश्ते का प्रतीक है। वे और उनकी बहन नूपुर सेनन एक-दूसरे को राखी बांधती हैं, क्योंकि दोनों एक-दूसरे की सुरक्षा भाई से कम नहीं करती हैं। यही प्यार पेट डॉग्स के लिए भी है, क्योंकि वे भी उनके परिवार का ही हिस्सा हैं।

जीवा ने कहा- हमारा इरादा भावनाएं आहत करना नहीं

GIVA ने कहा, 'एक ब्रांड के तौर पर हमारा हमेशा से मानना रहा है कि इन खुशी के पलों को पूरे परिवार के साथ मनाया जाए। इस बार उसका उद्देश्य पालतू जानवरों के साथ प्यार और जश्न को आगे बढ़ाना था। भावनाएं आहत करना हमारा इरादा नहीं था।' 'अगर हमारे हालिया विज्ञापन से समाज के कुछ हिस्सों की भावनाओं को अनजाने में ठेस पहुंची है, तो हमारा ऐसा कोई इरादा नहीं था। हमने उस विज्ञापन सभी मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा लिया है।' ब्रांड ने त्योहार के मौके पर लोगों को प्यार और सकारात्मकता की शुभकामनाएं भी दीं।

वेस्ट एशिया संकट के बीच बिना चीफ ऑफ स्टाफ के लड़ रही सेना, हेगसेथ ने कई वरिष्ठ अधिकारियों को पद से हटाया

हेगसेथ के एक्शन से यूएस आर्मी में पैदा हुआ नेतृत्व संकट

सामना

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सेना के हाई लेवल पर लीडरशिप की कमी हो गई है। यह ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी सेना वेस्ट एशिया में सक्रिय रूप से शामिल है और अपने पैट्रियट और THAAD एयर डिफेंस सिस्टम से ईरानी मिसाइलों और ड्रोन्स का मुकाबला कर रही है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह गंभीर कमी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ द्वारा की गई कई बर्खास्तगी और अंदरूनी कलह के कारण हुई है, जिससे दुनिया की

US आर्मी में पैदा हुआ नेतृत्व संकट। (रॉयटर्स)

सबसे ताकतवर जमीनी सेना महीनों से बिना स्थायी चीफ ऑफ स्टाफ के चल रही है। यह तब हो रहा है जब सेना को मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों पर जबरदस्त ड्रोन और मिसाइल हमलों का सामना करना पड़ रहा है।

अखबार द्वारा बताए गए अधिकारियों के अनुसार, हेगसेथ ने तब से कम से कम तीन ऐसे सीनियर अधिकारियों को बाहर कर दिया है जिन्हें जनरल जॉर्ज की जगह लेने के लिए मजबूत दावेदार माना जा रहा था। इससे सेना की लीडरशिप पाइपलाइन सीमित हो गई है, जबकि ऐसे समय में हाई लेवल पर निरंतरता सबसे ज्यादा जरूरी है जब सेना ज्यादा ऑटोनॉमस सिस्टम की ओर बढ़ रही है, जिसके लिए संस्थागत, सैद्धांतिक और संरचनात्मक बदलावों की

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सेना के सबसे वरिष्ठ सिविलियन अधिकारी, आर्मी सेक्रेटरी डैनियल ड्रिस्कॉल के भी आने वाले महीनों में प्रशासन छोड़ने की उम्मीद है और खबर है कि उन्होंने अपना ऑफिस खाली करना शुरू भी कर दिया है, जिससे संस्थागत अनिश्चितता का माहौल और बढ़ गया है।

कुल मिलाकर, मौजूदा और पूर्व अधिकारियों का कहना है कि हेगसेथ ने पद संभालने के बाद से लगभग आधा दर्जन सीनियर अधिकारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि इस उथल-पुथल से सेना के शीर्ष स्तरों पर विशेषज्ञता कमजोर हुई है।

जरूरत है। ये बदलाव यूक्रेन और वेस्ट एशिया दोनों जगहों पर लड़ाई के बदलते स्वरूप को ध्यान में रखकर किए जा रहे हैं।

इस घटना का समय बहुत अहम है। फरवरी के आखिर से ही पश्चिमी एशिया में अमेरिकी ठिकानों पर सस्ते और आसानी से नष्ट होने वाले ईरानी ड्रोन्स से लगातार हमले हो रहे हैं। इन हमलों में अब तक कम से कम अठारह अमेरिकी सैनिकों की जान जा चुकी है और कई अन्य घायल हुए हैं।

बिना चीफ ऑफ स्टाफ के लड़ रही अमेरिकी सेना

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट है कि अप्रैल में हेगसेथ द्वारा बिना किसी कारण के जनरल रैंडी जॉर्ज को अचानक हटाए जाने के बाद से सेना में कोई चीफ ऑफ स्टाफ नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बात के बहुत कम संकेत हैं कि अमेरिकी सेना के शीर्ष पद के लिए जल्द ही कोई नया व्यक्ति नियुक्त किया जाएगा।

हेगसेथ के पद संभालने के बाद 5 फोर-स्टार जनरल ने पद छोड़ा

इस बड़े बदलाव का पैमाना तब और साफ हो जाता है जब इसकी तुलना ऐतिहासिक आंकड़ों से की जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, जब हेगसेथ ने पिछले साल जनवरी में पद संभाला था, तब अमेरिकी सेना में दस फोर-स्टार जनरल थे; अब यह संख्या घटकर सिर्फ पांच रह गई है, जो दशकों में सेना में सबसे कम संख्या है।

सरकार ने चीनी आयात की समयसीमा बदली

अब एंट्री के दो महीने में रिफाइंड चीनी बेचनी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में चीनी की कीमतों को काबू करने के लिए केंद्र सरकार ने इंपोर्ट के नियमों में ढील दी है। सरकार ने विदेशों से मंगाई जाने वाली कच्ची चीनी को प्रोसेस करने और उसे घरेलू बाजार में बेचने की समय-सीमा बढ़ा दी है। अब इंपोर्टर्स को शिपमेंट भारत पहुंचने की तारीख से दो महीने का समय मिलेगा। इससे पहले सरकार ने इसके लिए 31 अक्टूबर की एक फिक्स डेडलाइन तय की थी।

शिपिंग और ट्रांसपोर्टेशन में हो रही देरी को लेकर शुगर इंडस्ट्री ने चिंता जताई थी, जिसके बाद डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (DGFT) ने नियमों में बदलाव का यह फैसला लिया है। सरकार ने घरेलू बाजार में चीनी की सप्लाई बढ़ाने के लिए 10 लाख टन रॉ शुगर के ड्यूटी-फ्री या कम ड्यूटी वाले इंपोर्ट को मंजूरी दी थी। पहले के नियम के मुताबिक, मिलों को इस चीनी को रिफाइन करके 31 अक्टूबर तक बाजार में बेचना जरूरी था। हाल ही में हुई बैठक में इंडस्ट्री ने मंत्रालयों को बताया कि ब्राजील के बंदरगाहों पर जाम है। इसके अलावा, भारत सरकार से क्वांटिटी अप्रूवल मिलने के बाद भी कार्गो को भारत पहुंचने में 40 दिन लग रहे हैं। ऐसे में 31 अक्टूबर तक प्रोसेसिंग और बिक्री का काम पूरा करना मुमकिन नहीं था। नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज (NFCSF) के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रकाश नाइकनवारे ने कहा कि इस राहत के बाद अब देश की ज्यादा से ज्यादा चीनी मिलें इंपोर्ट के लिए आवेदन करने के लिए आगे आएंगी।

फास्ट न्यूज

न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर पर सभा को संबोधित करेंगे भागवत

न्यूयॉर्क। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार को अपनी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में अमेरिका के प्रमुख शहरों में से एक न्यूयॉर्क पहुंचे। उनकी यह यात्रा संघ के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का हिस्सा है। न्यूयॉर्क पहुंचने पर भागवत का तिलक लगाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

मोहन भागवत के कार्यक्रम के विरोध पर भड़की अमेरिकी सिंगर

वाशिंगटन। अमेरिका के प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सियासी और सामाजिक बहस छिड़ गई है।

न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी द्वारा इस आयोजन पर आपत्ति जताए जाने के बाद प्रसिद्ध अफ्रीकी-अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मैरी मिलबेन ने उन पर तीखा हमला बोला है। मिलबेन का आरोप है कि इस कार्यक्रम का विरोध करने वाले लोग भारतीय राजनीति से प्रेरित हैं ।

अमेरिका ने दुनियाभर में वीजा अपॉइंटमेंट पर लगाई रोक

वॉशिंगटन। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन इमिग्रेशन पर अपनी सख्त कार्रवाई के तहत कॉन्सुलर अधिकारियों के लिए एक ग्लोबल ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू कर रहा है। इस बीच यूएस में दुनिया भर में वीजा अपॉइंटमेंट रोक दिए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि विभाग ने दुनिया भर में सभी अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में एक ट्रेनिंग पहल शुरू की है।

अमेरिका के मोंटाना में परिवार के 8 लोगों की हत्या

मृतकों में 4 बच्चे, आरोपी ने सबको गोली मारी

बिलिंग्स, एजेंसी

अमेरिका के मोंटाना के बिलिंग्स शहर में रविवार शाम एक परिवार के 8 लोगों की हत्या कर दी गई। घटना उस समय हुई जब परिवार के लोग एक साथ डिनर कर रहे थे। आरोपी ने सबको गोली मारने के बाद घर में आग लगा दी। फिर खुद को भी शूट कर लिया।

आरोपी के अलावा मरने वाले लोग एक ही परिवार की चार पीढ़ियों से थे। इनमें 4 बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, उन्हें रविवार शाम करीब 6 बजे घर से गोली चलने की सूचना मिली थी।

पुलिस मौके पर पहुंची तो घर के पीछे से गोलियों की आवाज आ रही थी। घर के बाहर एक व्यक्ति घायल मिला। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। वही इस घटना का संदिग्ध माना जा रहा है।

घटना के दौरान 911 पर पुलिस को घर में गोली चलने और एक बच्चे के बेहोश होने की सूचना मिली थी। इसके बाद मौके पर दमकल की गाड़ियां भेजी गईं। कुछ देर बाद एक और फायर इंजन भेजने को कहा गया। डिस्पैचर ने पूछा कि क्या बच्चे को गोली लगी है। पुलिस ने बताया कि इसकी पुष्टि नहीं हुई थी। सिर्फ इतना पता था कि बच्चा बेहोश है और यह भी साफ नहीं था कि वह सांस ले रहा है या नहीं।

इमरजेंसी टीमें रविवार शाम करीब 6:10 बजे मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने घर के बाहर एक व्यक्ति को देखा।

कहा- 'लेक ओंटारियो' का नाम 'लेक अमेरिका' करने की सोच रहा

ट्रम्प कनाडा से जुड़ी झील का नाम बदल सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा से जुड़े लेक ओंटारियो का नाम बदलने की बात कही है। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि वे इसका नाम बदलकर 'लेक अमेरिका' रखने पर विचार कर रहे हैं।

लेक ओंटारियो अमेरिका और कनाडा की सीमा पर स्थित है। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय आया है, जब दोनों पड़ोसी देशों के बीच टैरिफ को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है। दोनों ने एक-दूसरे पर 50% टैरिफ लगा दिया है।

न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक, लेक ओंटारियो का नाम बदलने को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक

आदेश जारी नहीं हुआ है और न ही औपचारिक प्रक्रिया शुरू की गई है। लेक ओंटारियो उत्तरी अमेरिका की पांच बड़ी झीलों यानी ग्रेट लेक्स में से एक है। यह अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य और कनाडा के ओंटारियो प्रांत के बीच स्थित है। झील के एक तरफ अमेरिकी क्षेत्र है, जबकि दूसरी तरफ कनाडा का ओंटारियो प्रांत है। कनाडा का बड़ा शहर टोरंटो भी इसी झील के किनारे बसा है। यह झील दोनों देशों के लिए पीने के पानी, सामान की आवाजाही, मछली पालन और पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण है। सेंट लॉरेंस नदी के जरिए यह अटलांटिक महासागर से जुड़ती है, इसलिए यह बड़े जलमार्ग और व्यापारिक नेटवर्क का भी हिस्सा है। 'ओंटारियो' नाम मूलनिवासी ह्यूरॉन लोगों की भाषा से आया माना जाता है। इसका अर्थ 'सुंदर झील' है। बाद में यूरोपीय लोगों ने भी इस नाम का इस्तेमाल शुरू किया और यही नाम प्रचलित हो गया। इसी से कनाडा के ओंटारियो राज्य का नाम भी पड़ा।

यूरोपीय मानचित्रों में यह नाम 17वीं सदी से दिखाई देने लगा था। यानी 'ओंटारियो' नाम नया नहीं है, बल्कि सदियों पुराना है।

'गल्फ ऑफ मेक्सिको' का नाम बदल चुके हैं ट्रम्प

ट्रम्प के लिए किसी जगह का नाम बदलना नया नहीं है। जनवरी 2025 में उन्होंने 'गल्फ ऑफ मेक्सिको' को अमेरिकी सरकारी इस्तेमाल के लिए 'गल्फ ऑफ अमेरिका' करने का आदेश दिया था।

इसके बाद अमेरिकी एजेंसियों ने अपने रिकॉर्ड और नक्शों में नया नाम इस्तेमाल करना शुरू किया, लेकिन मेक्सिको ने इसे स्वीकार नहीं किया। तब मेक्सिको ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून का हवाला देते हुए कहा था कि अमेरिका अपने अधिकार क्षेत्र के आधार पर पूरे गल्फ का नाम अकेले नहीं बदल सकता।

हालांकि, लेक ओंटारियो और गल्फ ऑफ मेक्सिको की कानूनी स्थिति अलग है। गल्फ समुद्री क्षेत्र है, जबकि लेक ओंटारियो अमेरिका और कनाडा के बीच साझा झील है।

झील की देखभाल और पानी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए अमेरिका और कनाडा लंबे समय से मिलकर काम करते हैं। दोनों देशों के बीच ग्रेट लेक्स वाटर क्वालिटी एग्रीमेंट भी है, जिसके तहत ग्रेट लेक्स के पानी और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए दोनों देश सहयोग करते हैं।

सिर्फ 1 को बचाया जा सका, एसी कंप्रेसर फटा, फिर पूरे वार्ड में आग फैली

हादसा : सरकारी अस्पताल में आग 15 बच्चे जिंदा जले

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के एक अस्पताल में बुधवार को आग लगने से 15 नवजात बच्चों की मौत हो गई। हादसा पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (PIMS) अस्पताल में स्त्री रोग वार्ड की नर्सरी में हुआ। अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, हादसे के वक्त नर्सरी में 16 नवजात बच्चे मौजूद थे। इनमें से सिर्फ एक बच्चे को बचाया जा सका। रेस्क्यू अधिकारियों के मुताबिक, नर्सरी के अंदर एयर कंडीशनर के कंप्रेसर में विस्फोट हुआ। इसके बाद आग लग गई और तेजी से पूरे वार्ड में फैल गई।

पीआईएमएस इस्लामाबाद का सबसे बड़ा अस्पताल

PIMS इस्लामाबाद का सबसे बड़ा अस्पताल है। करीब 140 एकड़ में फैले इस अस्पताल में लगभग 1,300 बेड हैं। यहां 27 से ज्यादा तरह की बीमारियों के इलाज की सुविधा है।

पीआईएमएस में कई बड़े मेडिकल सेंटर शामिल हैं। इनमें इस्लामाबाद अस्पताल, चिल्ड्रन्स अस्पताल, मदर एंड चाइल्ड हेल्थ सेंटर, बर्न केयर सेंटर और कार्डियक सेंटर शामिल है।

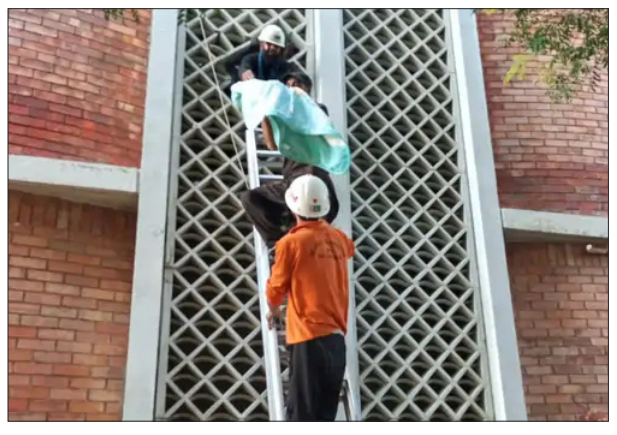

तस्वीर में दमकलकर्मी नर्सरी वार्ड से नवजात को बाहर निकालते नजर आ रहे हैं।

आग की जांच के लिए कमेटी बनेगी

जिला प्रशासन ने घटना की जांच के लिए अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर की अध्यक्षता में कमेटी बनाने का फैसला किया है। कमेटी यह पता लगाएगी कि आग कैसे लगी और हादसे के पीछे क्या वजह थी। जांच के बाद ही आग लगने की सही वजह और हादसे के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों का पता चल सकेगा।

अस्पताल के चिल्ड्रन्स अस्पताल में नवजात बच्चों के इलाज और NICU की सुविधा है। वहीं मदर एंड चाइल्ड हेल्थ सेंटर में गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चों के लिए अलग व्यवस्था है। हादसे के बाद अस्पताल की फायर सेफ्टी और नवजातों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

अमेरिकी इंटेलिजेंस एजेंसी के चीफ की रूस में सीक्रेट लैंडिंग

ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट से अचानक पहुंचे

मॉस्को, एजेंसी

अमेरिकी खुफिया एजेंसी CIA के डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ मॉस्को पहुंचे हैं। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक, वह अमेरिकी वायुसेना के C-17 ग्लोबमास्टर से मॉस्को गए और वहां अधिकारियों के साथ बैठकें कर रहे हैं। यह CIA चीफ बनने के बाद रैटक्लिफ की रूस की पहली यात्रा है।

रैटक्लिफ के रूस दौरे की पहले कोई घोषणा नहीं की गई थी। अमेरिकी सैन्य विमान के मॉस्को पहुंचने के बाद उनकी यात्रा की खबर सामने आई। इससे पहले रूसी अधिकारियों ने कहा था कि उन्हें C-17 ग्लोबमास्टर की मॉस्को यात्रा की जानकारी नहीं है। अमेरिकी सरकार ने भी अभी इस दौरे पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

फ्लाइट-ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, अमेरिकी वायुसेना का C-17 पहले अमेरिका से लातविया की राजधानी रीगा पहुंचा। इसके बाद विमान मंगलवार सुबह करीब 9 बजे मॉस्को के लिए रवाना हुआ और व्नुकोवो एयरपोर्ट पर उतरा।

यह विमान RCH4555 कॉल साइन से उड़ रहा था। इसकी उड़ान की एक खास बात यह थी कि विमान रूस के हवाई क्षेत्र से होकर मॉस्को पहुंचा।

अमेरिकी सैन्य विमान के इस रास्ते से उड़ान भरने के लिए रूसी अधिकारियों की मंजूरी जरूरी होती है। हालांकि, रूसी अधिकारियों ने कहा है कि उन्हें इस विमान की मॉस्को यात्रा की जानकारी नहीं थी।

इमरान के बेटे का दावा : पिता के साथ जेल में बुरे बर्ताव का आरोप लगाया, कहा- सेना का इसमें बड़ा रोल

पाकिस्तान तानाशाही की ओर बढ़ रहा

इस्लामाबाद, एजेंसी

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे सुलैमान ईसा खान ने दावा किया है कि पाकिस्तान तानाशाही की तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने अपने पिता के लंबे समय से जेल में होने को इसका उदाहरण बताया।

न्यूज एजेंसी ANI के साथ वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुलैमान ने कहा कि पिछले कई साल से उनके पिता के साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है और इसमें सेना की बड़ी भूमिका है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में इमरान खान की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चर्चा की गई। सुलैमान के साथ उनके भाई कासिम खान, अंतरराष्ट्रीय वकील जेरेड जेनसर और अंतरराष्ट्रीय मामलों तथा मीडिया के सलाहकार

सैयद बुखारी भी शामिल हुए। इमरान के बेटों ने कहा कि वे जेल में बंद अपने पिता से मिलने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी कोशिशें लगातार नाकाम हो रही हैं। उनका कहना है कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने उनके वीजा आवेदन को बार-बार टाला या खारिज किया है।

कासिम खान ने कहा, "उन्हें देखने का कोई भी मौका मिले तो हम तुरंत जाना चाहेंगे। हम पाकिस्तान आना चाहते हैं, लेकिन अब हालात और निराशाजनक होते जा रहे हैं। हमारे वीजा आवेदन खारिज किए गए, टाले गए और बार-बार अटकाए गए।" कासिम ने कहा, मेरे पिता को लगातार एकांत कारावास में रखा जा रहा है। उन्हें 6×8 फुट की एक ऐसी कोठरी में 23 घंटे तक बंद रखा जाता है, जिसमें न खिड़की है और न ही रोशनी। उनकी उम्र 73 साल है और उनकी एक आंख की 85 फीसदी नजर जा चुकी है।

वकील का आरोप- जनरल मुनीर मनमाना शासन चला रहे

इमरान खान के अंतराष्ट्रीय वकील जेरेड जेनसर ने पाकिस्तान में लोकतंत्र की स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने देश के सैन्य नेतृत्व को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया और सेना प्रमुख असीम मुनीर पर 'ऑथॉरिटेरिय-निज्म' यानी दमनकारी शासन का आरोप लगाया। जेनसर ने कहा,इमरान खान और उनकी पत्नी के खिलाफ जिस तरह कार्रवाई हो रही है, वह किसी लोकतांत्रिक सरकार के तरीके जैसी नहीं है।

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे सुलैमान खान (बाएं) और कासिम खान 16 फरवरी 2026 को ब्रिटेन के लंदन में रॉयटर्स के साथ इंटरव्यू के दौरान।

दुनिया का सबसे बड़ा रॉकेट लॉन्च कॉम्प्लेक्स बनाएंगे मस्क

ये मैनहट्टन से 8 गुना बड़ी जमीन पर बनेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अमेरिका के दक्षिणी लुइसियाना में दुनिया का सबसे बड़ा रॉकेट लॉन्च कॉम्प्लेक्स बना रही है। इस प्रोजेक्ट पर कंपनी 100 बिलियन डॉलर यानी करीब 9.50 लाख करोड़ का निवेश करेगी। 'स्टारबेस, लुइसियाना' स्पेसएक्स का दूसरा 'स्टारबेस' कैंपस होगा।

यह नया स्पेसपोर्ट लुइसियाना के पिकान आइलैंड पर 1.25 लाख एकड़ में फैला होगा, जो कि न्यूयॉर्क के मैनहट्टन शहर से भी आठ गुना बड़ा है। यहां से स्पेसएक्स के नेक्स्ट-जनरेशन रॉकेट 'स्टारशिप' और AI बेस्ड सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। कंस्ट्रक्शन साल 2029 से शुरू होने की उम्मीद है। लुइसियाना के गवर्नर जेफ लैंड्री ने इसे राज्य की इकोनॉमी के लिए बड़ा कदम बताया है। लैंड्री के मुताबिक, इस स्पेसपोर्ट से क्षेत्र में

कम से कम 3 हजार से ज्यादा डायरेक्ट नौकरियां पैदा होंगी।

यहां काम करने वाले कर्मचारियों की औसत सालाना सैलरी 92,600 डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपए होगी, जो वर्मिलियन पैरिश की मौजूदा औसत इनकम से लगभग दोगुनी है। गवर्नर ने कहा, ₹यह प्रोजेक्ट रोजगार, समुदायों के लिए प्रगति और हमारे तटीय इलाकों के लिए सुरक्षा लेकर आएगा।

शिपिंग और ट्रांसपोर्टः स्टारशिप रॉकेट्स को लाने-ले जाने के लिए डीप-वॉटर शिपिंग पोर्ट और व्हीकल प्रोसेसिंग यूनिट्स बनाई जाएंगी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676